A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF SANSKRIT MANUSCRIPTS

PART I

संस्कृत पाण्डुलिपियों की ग्रन्थ विवरणी



PRACHYA VIDYA ACADEMY

DEV PRAYAGA

A Descriptive Catalogue OF Sanskrit Manuscripts

(Prachya Vidya Academy Collection)

PART 1

Edited by—

Dr. Krishn Kumar

M. A., Sahityacharya, Ph.D., D. Litt.
Head—SANSKRIT DEPARTMENT
Garhwal University, Srinagar
[Garhwal]

Compiled by—

Dr. Lalita Prasad Pandey

M.A., Sahityacharya, D. Phil

PRACHYA VIDYA ACADEMY

DEVAPRAYAGA

A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF SANSKRIT MANUSCRIPTS - PART I

Edited by — **Dr. KRISHNA KUMAR**

Compiled by — **Dr. Lalita Prasad Pandey**

Published by—

PRACHYA VIDYA ACADEMY
Devaprayag (Tehri)

Price—

1983

FIRST EDITION—500 Copies

Printed by—

ALOK PRESS
Moradabad

This volume is published with the help of the grant-in-aid for publication of catalogues of Mss. given by the Ministry of Education Government of India New Delhi.

संस्कृत पाण्डुलिपियों की ग्रन्थविवरणी—प्रथम भाग

सम्पादक - डॉ० कृष्णकुमार

नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग के लिये
सादर
कृष्णकुमार
26.3.89

संकलन - डॉ० ललिताप्रसाद पाण्डेय

प्रकाशक - प्राच्य विद्या अकादमी
देवप्रयाग (टिहरी)

मूल्य

१९८३

प्रथम संस्करण : ५००

मुद्रक : आलोक प्रेस
मुरादाबाद



संस्कृत पाण्डुलिपियों

की

ग्रन्थविवरणी

प्रथम भाग

सम्पादक : डॉ० कृष्णकुमार
एम०ए०, साहित्याचार्य, पी-एच०डी०, डी०लिट्
विभागाध्यक्ष—संस्कृत
गढ़वाल विश्वविद्यालय (श्रीनगर) गढ़वाल

संकलन : डॉ० ललिताप्रसाद पाण्डेय
एम०ए०, साहित्याचार्य, डी०फिल०

प्राच्य विद्या अकादमी
देवप्रयाग

: भूमिका :

ऋषिकेश–बदरीनाथ मार्ग पर ऋषिकेश से ७० किलोमीटर दूरी पर देवप्रयाग नाम का प्राचीन प्रसिद्ध तीर्थ है। यहां भागीरथी और अलकनन्दा की धारायें परस्पर मिलकर गंगा नाम को धारण करती हैं। तीन ओर से ऊंचे दशरथ पर्वत, गृध्र पर्वत और नरसिंह पर्वतों से घिरा यह तीर्थ भगवान् राम की पुण्यस्थली है तथा यहां का रघुनाथ मन्दिर परम पुण्यदायी समझा जाता है। भगवान् विश्वनाथ शिव का मन्दिर भक्तों की कामनाओं को पूरा करता है। भागीरथी–अलकनन्दा के संगम पर स्नान करना त्रिविध तापों का विनाशक है।

देवप्रयाग तीर्थ में स्व० आचार्य चक्रधर जोशी ने ज्योतिष विद्या के प्रसार एवं उन्नति के लिए नक्षत्र वेधशाला की स्थापना के साथ ही चक्रधर विद्या मन्दिर को प्रारम्भ किया। यहां उन्होंने एक अद्वितीय पुस्तकालय की भी स्थापना को। इस पुस्तकालय में लगभग तीस हजार पुस्तकों का संकलन है। इनमें लगभग २५०० संस्कृत पाण्डुलिपियां सुरक्षित हैं।

केदारखण्ड (गढ़वाल) में प्राचीन ऋषियों की तपोभूमि और साधना स्थली है। यहां प्राचीनकाल से ही संस्कृत के विद्वान साहित्य साधना में संलग्न रहे और उन्होंने सस्कृत भाषा में विभिन्न विषयों पर ग्रन्थों की रचना की। परन्तु उनकी रचनाओं के संग्रह एवं सुरक्षा की ओर किसी ने विशेष ध्यान नही दिया। लेखकों के उत्तराधिकारियों ने भी अपने पूर्वजों की इस धरोहर की रक्षा का ध्यान नहीं रखा। अनेक ग्रन्थ नष्ट हो गये। इस अवस्था में आचार्य चक्रधर जोशी ने गढ़वाल के विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों से परामर्श करके और लेखकों के उत्तराधिकारियों से सम्पर्क करके इन पाण्डुलिपियों का संग्रह कर पुस्तकालय में सुरक्षित किया।

चक्रधर विद्या मन्दिर के इस पुस्तकालय में लगभग २५०० पाण्डुलिपियां वर्तमान समय में थीं। पहले यहां लगभग ३२०० पाण्डुलिपियां रही थीं। उचित रख-रखाव न होने के कारण अनेक पाण्डुलिपियों को दीमकों ने नष्ट कर दिया। अवशिष्ट पाण्डुलिपियों की सुरक्षा विशेष रूप से की गई है तथा उनका वर्गीकरण करके बस्ते बना दिये गये हैं इनमें वेद, वेदांग, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, स्मृति, धर्मशास्त्र, वास्तुशास्त्र, तन्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, आयुर्वेद आदि विषयों की पुस्तकें प्रचुर संख्या में उपलब्ध हैं। संस्कृत के छात्रों, विद्वानों और शोधार्थियों के लिये इनकी बहुत उपयोगिता है।

संस्कृत विद्याओं के प्रचार तथा प्रसार के लिए तथा चक्रधर विद्या मन्दिर में उच्च शोध एवं अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए आचार्य चक्रधर जोशी द्वारा "प्राच्य विद्या अकादमी" नामक संस्था की स्थापना की गई थी। संस्था ने अनेक कार्यों के साथ ही विद्या मन्दिर के पुस्तकालय में विद्यमान संस्कृत पाण्डुलिपियों की ग्रन्थ विवरणी को बनाने के लिए भी ध्यान दिया, जिससे कि इनके प्रचार के साथ ही इनका समुचित रूप से अध्ययन किया जा सके। भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय ने इसके लिए आर्थिक सहायता प्रदान की, जिसके फलस्वरूप यह विवरणी बनाई जा सकी।

ग्रन्थ विवरणी का प्रकाशन एक महान् कार्य है, जिसको एक साथ पूरा करना सम्भव नहीं था। अतः इसको ३ भागों में प्रकाशित किया जा रहा है। प्रथम भाग में ग्रन्थों का विवरण है। दूसरा भाग भी शीघ्र प्रकाशित हो रहा है।

आशा है कि यह ग्रन्थ विवरणी संस्कृत के छात्रों, शोधार्थियों और विद्वानों के लिए अति उपयोगी होगी।

रामनवमी सम्वत् २०३८
दिनांक: २१-४-८३

कृष्ण कुमार
निदेशक प्राच्य विद्या अकादमी
देवप्रयाग

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	वेद					
१	१	नमक–चमक मूल (वैदिक)	वेल्लम रामस्वामी शास्त्री	गदाधर जोशी देवप्रयाग	पेपर	तेलगू
२	२	यजुर्वेदीय तैतरीय शाखारण्यम् । मूल संस्कृत ।	बद्रीया बगीचा गली पार्क टौन पो० मद्रास		,,	देवनागरी
३	३	पुरुष सूक्त मूल संस्कृत			,,	,,
४	५	वाजसनेय संहिता मूल संस्कृत			,,	,,
५	५	यजुर्वेद संहिता मूल संस्कृत		नरसिंह दत्त	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३७.२×१६.५	२	४६	१६	पूर्ण	प्राचीन	
१६×१२	२४४	७	१८	अपूर्ण	,,	पुस्तक के आदि में पृष्ठ संख्या १ तथा २ नहीं है।
२१.५×११	२०	४	१३	,,	,,	प्रथम ५ पृष्ठ पुस्तक में नहीं हैं तथा अन्त में भी पूरा सूक्त नहीं है।
२३×१०	१६	७	२५	,, प्रथम अध्याय एवं द्वितीय अध्याय ८ मन्त्र	उत्तम	पुस्तक लिखने का समय तथा लेखक का पता नहीं है परन्तु पुस्तक मोटे एवं सुडौल अक्षरों में लिखी गयी है।
२६×११	२२	६	३३	अपूर्ण पुस्तक की पृ० सं० के ऊपर पहले भाग में सं० सू० दूसरे में सं० पा० और तीसरे में सं० पा० पू० लिखा गया	प्राचीन	पुस्तक में केवल ११ पृष्ठ उपलब्ध हैं, जो १ से ११ तक हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६	वेद ६	बृहन्नारायणोपनिषद मूल संस्कृत		श्री किशनकर पोथर	पेपर	देवनागरी
७	७	नारायण थर्वादि संहिता			,,	,,
८	८	महानाराणोपनिषद मूल संस्कृत			,,	,,
९	९	नेत्रोपनिषद मूल संस्कृत	भवानी दत्त		,,	,,
१०	१०	,,	,,		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५ × १०	६४	१०	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेखक का नाम पुस्तक के पृष्ठ संख्या १० से ज्ञात होता है।
२३.३ × १३.५	८४	१०	२६	पूर्ण पृ० २२ तक नाराणउउ० पृ० २३ से ३१ चितिउ० पृ० ३२ से ३६ शिक्षाउ० पृ० ३७ से ३९ ब्रह्मउ० पृ० ४० से ४२ भृगवउ०	"	
२८.५ × १३.५	४८	८	३५	अपूर्ण पुस्तक का बांया कोष चींटियो द्वारा नष्ट किया गया और पृष्ठ ८ तक बीच से भी नष्ट की गई।	"	पुस्तक में लेख स्वच्छ तथा उत्तम हैं।
१८.५ × १८	२	११	३०	पूर्ण	प्राचीन १६४१ वि०	
२३.५ × १५.५	४	९	१६	"	प्राचीन	

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११	वेद ११	चित्युपनिषद् मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२	१२	मुण्डकोपनिषद् मूल संस्कृत			"	"
१३	१३	चित्युपनिषद् मूल संस्कृत			"	"
१४	१४	मुण्डकोपनिषद् मूल संस्कृत			"	"
१५	१५	सहनोपरिषद् मूल संस्कृत			"	"
१६	१६	छान्दोग्योपनिषद् शंकर भाष्य मूल संस्कृत		भाष्यकार शंकराचार्य	"	"
१७	१७	शिक्षोपनिषद् मूल संस्कृत			"	"
१८	१८	ईशावास्योपनिषद्			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२×९.५	१६	९	३५	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक किनारे से टूट गई है।
२२.५×९.३	६६	८	३०	,, पृष्ठ सं० क्रम में नहीं है	,,	पुस्तक अस्त व्यस्त स्थिति में है। पृष्ठ कुछ हैं कुछ नहीं हैं।
१९×१०	५८	६	१९	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२४.५×११	१०	१२	३७	अपूर्ण	नया पानी से भीगकर	पुतस्क सर्वथा अपूर्ण है।
२६.२×१२	३८	९	३४	पूर्ण	उत्तम	
२८.५×११	२०८	८	४४	अपूर्ण पृ० २६ से ३८ तक नहीं है।	प्राचीन	पुस्तक के कुछ पृष्ठों पर अन्य लेखक द्वारा भी लिखा गया हैं।
२०×११	१६	८	२२	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२३.५×११	१२	७	२८	,,	,,	चार खण्ड उद्धृत हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९	वेद १९	ब्रह्म उपनिषद् मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२०	२०	नारायणोपनिषद् मूल संस्कृत			,,	,,
२१	२१	ब्रह्म उपनिषद् मूल संस्कृत			,,	,,
२२	२२	श्री उपनिषद् मूल संस्कृत			,,	,,
२३	२३	निरालम्बोपनिषद् मूल संस्कृत			,,	,,
२४	२४	अल्लोपनिषद्			,,	,,
२५	२५	निरालम्बोपनिषद् मूल संस्कृत			,,	,,
२६	२६	पुरुष सूक्त मूल संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.५ × ११	१६	७	२२	पूर्ण	प्राचीन	सस्वर मंत्र हैं।
२०.५ × १०	८	६	२७	अपूर्ण पृष्ठ १३ से १६ तक केवल है	"	पुस्तक का आदि तथा अन्त भाग नहीं हैं।
२०.५ × ११	१२	८	२२	पूर्ण	"	स्वर सहित मन्त्र हैं।
१९.८ × ६.८	४४	१०	३०	अपूर्ण पृ० २५ से ४६ पर्यन्त केवल है।	"	पुतस्क सामान्य लेख से लिखी गई है।
१५ × १०	१०	८	२०	अपूर्ण	"	लेख सामान्य है।
१९.५ × १३.५	२	१४	२१	पूर्ण	"	
२१ × १४	६	१७	१९	"	उत्तम	
५९.५ × १३.५	२	६९	२०	"	प्राचीन	प्रथम भाग फट गया हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७	वेद २७	निरालम्बोपनिषद् मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२८	२८	"देवे" मूल संस्कृत			,,	,,
२९	२९	अथर्वशीर्ष मूल संस्कृत			,,	,,
३०	३०	यजुर्वेद मूल संस्कृत			,,	,
३१	३१	पवमान सूक्त मूल संस्कृत			,,	,,
३२	३२	वेद मूल संस्कृत			,,	,,
३३	३३	नारायण सूक्त मूल संस्कृत		पं० रामकृष्ण देवप्रयाग	,,	,,
३४	३४	अनुवाक-पानी [शिक्षा] मूल संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	६	१०	११	१२	१३	१४
२६ × ११.२	१४	८	३५	पूर्ण	प्राचीन	
१५ × १०	८	६	१८	अपूर्ण	"	
२०.८ × ११.५	२६	१३	३२	पूर्ण	उत्तम	अन्तिम तीन पृष्ठों पर सस्वर मन्त्र हैं।
२३.८ × ११.२	५१०	१०	२६	अपूर्ण पृ० सँ० क्रम में नहीं है।	प्राचीन	यजुर्वेद के इस ग्रन्थ में अनुदात स्वर भी लगाये गये हैं।
१५.३ × ८.५	११८	६	२४	अपूर्ण	"	पृ० १ से १२ तथा ७१ से ७३ तक नहीं हैं।
२६ × १२	२६०	६	३२	पूर्ण	उत्तम	
१६ ५ × १०	४	६	२७	"	प्राचीन १६४२ वि०	लेख सामान्य
२४.‾ × ११.२	४	११	४६	"	प्राचीन	" "

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३५	वेद ३५	पाणिनीय शिक्षा मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३६	३६	दण्डक मूल संस्कृत		श्री वेंकटाचार्य देवप्रयाग	,,	,,
३७	३७	दण्डक मूल संस्कृत			,,	,,
३८	दर्शन १क	वेदांतसूत्र महावाक्य विवरणम् मूल संस्कृत	गोस्वामी चरणदास		,,	,,
३९	१ख	तत्वबोध मूल संस्कृत			,,	,,
	२	षट्चक्रनिर्णय मूल संस्कृत			,,	,,
४०	३	आत्म पूजा मूल संस्कृत	आचार्य शंकर		,,	,,
४१	४	साधन पंचकम् मूल संस्कृत	,,		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२.५×१०.५	१०	८	३१	पूर्ण	उत्तम	स्वच्छ एवं साफ लेख
२८.७×१३	४६	७	२८	"	१८९० वि० प्राचीन	स्वर सहित ।
२९.५×१२.२	३२	८	३९	"	उत्तम १९३४	स्वर सहित मन्त्र हैं ।
१९×१०.६	१५०	९	१६	पूर्ण द्वादश महावाक्य सिद्धान्त को स्पष्ट रूप से लिखा गया है ।	प्राचीन	पुतस्क दोनों किनारों से फट गई है । किन्तु विषय वस्तु सुरक्षित है ।
२१×११.८	२६	६	१७	पूर्ण	प्राचीन सं० १९१३	
१९.३×१२.५	१२	८	३०	अपूर्ण पु० में पांचचक्र ही उपलब्ध हैं और षट्चक्रपूज्य विधि का भी उल्लेख है	प्राचीन	पुस्तक में अन्तिम हिस्सा नहीं है ।
२४×१३	२	१२	२७	पूर्ण एक ही पृष्ठ में आत्म पूजा समाप्त की गई ।	"	
२४.५×१३.५	८	१२	३९	पूर्ण	"	

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	दर्शन					
४२	५	वेदांतसूत्र मि० वि० टी० मूल संस्कृत	आदि शंकराचार्य		पेपर	देवनागरी
४३	६	सिद्धांतबिन्दु टीका मूल संस्कृत	,, ,,		,,	,,
४४	७	महावाक्य विवरणम् मूल संस्कृत			,,	,,
४५	८	तर्क दीपिका मूल संस्कृत		गंगाराम	,,	,,
४६	९	तर्क संग्रह मूल संस्कृत	कणादन्याय अनभट		,,	,,
४७	१०	तर्क संग्रह सटीक मूल संस्कृत			,,	,,
४८	११	तर्क संग्रह मूल संस्कृत	अनभट	ललितानन्द	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.१०×१२.१०	८	१५	४५	अपूर्ण	प्राचीन	
२५ × १३	४	१५	३५	अपूर्ण	,,	पुस्तक में केवल १२ पृष्ठ हैं। लेख सामान्य है।
१६ × १०	८०	६	२०	पूर्ण	,,	पुस्तक स्वच्छ एवं उत्तम लेख में लिखी गयी।
२६.५ × १२	३६	१४	३०	पूर्ण	प्राचीन १८८९ वि०	लेख साफ एवं अच्छा हैं।
२५ × ६	१८	६	४५	,,	उत्तम	लेख स्वच्छ है।
२६.८ × १२.५	२४	१३	५०	अपूर्ण पुस्तक में पृ० सं० १४ तक अंकित है परन्तु पृ० १२ नहीं है।	प्राचीन	पृ० सं० ३ से ७ तक पुस्तक का एक कोण ६+२ टूट गया है।
२३ × १०.५	८	११	४३	पूर्ण	प्राचीन सं० १९१३ वि०	पुस्तक में द्वितीय पृष्ठ में लेखक ने पृष्ठ के मुख्य भाग का तथा अन्त भाग का ज्ञान नहीं रखा।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९	दर्शन १२	तर्क संग्रह मूल संस्कृत	अनभट		पेपर	देवनागरी
५०	१३	तर्क संग्रह सटीक मूल संस्कृत	„	बाल मुकुन्द	„	„
५१	१४	चिन्तामणी तर्क शिरोमणी मूल संस्कृत			„	„
५२	१५	तर्क शिरोमणी व्याख्या मूल संस्कृत			„	„
५३	१६	गौरी न्याय मूल संस्कृत			„	„
५४	१७	गदाधरी मूल संस्कृत			„	„
५५	१८	मुक्तावली टीका मूल संस्कृत		विश्वनाथ	„	„
५६	१९	पक्षता ग्रंथ रहस्य मूल संस्कृत			„	„

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३२ × १३.५	१४	१०	४१	पूर्ण	सं० १९१३ वि० प्राचीन	सुडौल एवं साफ अक्षरों में पुस्तक लिखी गई है।
३० × १४ ८	३८	११	३०	,,	प्राचीन	पुस्तक शुद्ध एवं साफ अक्षरों में लिखी गयी।
२८.५ × १२.५	६६	१२	४१	अपूर्ण	,,	पृ० सं० ३३ तक पुस्तक पूर्ण नहीं है। अतः पुस्तक का अन्त भाग पुस्तक में नहीं है। लेख अच्छा हैं।
३२ × १२	१०४	११	६०	,,	प्राचीन	पृ० सं० ५२ के बाद के पृष्ठ पुस्तक में नहीं हैं। लेख अच्छा है।
२८.८ × १२	१८	१२	४५	पूर्ण	प्राचीन	स्वच्छ एवं शुद्ध लेख
३२ × १२	८४	१२	४५	पूर्ण	उत्तम	,,
३५ × १५.४	२०	१२	४३	अपूर्ण	,,	,, ,,
३०.२ × ११.९	६८	१०	४५	पूर्ण	,,	,, ,,

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	दर्शन					
५७	२०	प्रकृत पक्षता मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५८	२१	संशयवाद मूल संस्कृत			"	"
५९	२२	संशयपक्षता मूल संस्कृत			"	"
६०	२३	संशयपक्षता रहस्यम् मूल संस्कृत			"	"
६१	२४	इन्द्रीयवाद मूल संस्कृत				
६२	२५	जगदीशी मूल संस्कृत			"	"
६३	२६	सामान्य निरुक्तिः मूल संस्कृत			"	"
६४	२७	व्याप्ति तात्पर्यम् मूल संस्कृत			"	"
६५	२८	तर्ककौमुदी मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एबं आयु	अन्य जानकारी
८	६	१०	११	१२	१३	१४
३१.३×११.८	५०	१५	४६	पूर्ण	उत्तम	लेख दो प्रकार का है।
३१.४×११.८	२६	१५	६०	,,	,,	लेख बारीक एवं स्वच्छ है।
३०.५×११.८	१०	१२	५४	,,	,,	लेख सामान्य है।
३०.५×१२.५	२६	१३	५२	,,	,,	,, ,,
३४×१५.५	१०	१५	४६	अपूर्ण	प्राचीन	,, ,,
२८×११.५	१०	१०	४५	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम एवं शुद्ध हैं।
३१×११.५	३८	११	४२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३३.३×१४.५	३०	१४	४८	पूर्ण	,,	,, ,,
२५.८×१३	२२	६	३१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पुस्तक के पहले पृष्ठ पर अथ के स्थान पर इति लिखा गया है। पुस्तक सामान्य आदमी द्वारा लिखी गई है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६	दर्शन २९	रत्नकोष न्याय मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६७	३०	वृतिदीमिका मूल संस्कृत		श्रीकृष्ण भट्ट	,,	,,
६८	३१	मंगलवाद मूल संस्कृत			,,	,,
६९	३२	कारणतार्थ वाद मूल संस्कृत			,,	,,
७०	३३	प्रश्नोत्तर रत्नमाला मूल संस्कृत			,,	,,
७१	३४	राज योग मूल संस्कृत			,,	,,
७२	३५	राज योग मूल संस्कृत			,,	,,
७३	३६	योगवाशिष्ठ सार मूल संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३३.५ × १४.८	८४	१२	४३	पूर्ण	सं० १९०५ वि० उत्तम	लेख स्वच्छ एवं शुद्ध है
३४ × १५	८०	१०	३३	,,	प्राचीन सं० १९०७	पुस्तक के दाहिने के १×१ सेमी० पृष्ठ चींटियों के द्वारा नष्ट किये गए। इससे विषय वस्तु पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
३४ × १४.५	२८	११	४७	,,	,,	किनारे से पुस्तक चींटियों द्वारा काटी गई है। विषय वस्तु ठीक है।
३४.८ × १६	१२	४	३६	,,	प्राचीन	किनारे से दीमक द्वारा नष्ट की गई, किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
२६.५ × १२	६	७	३७	पूर्ण	प्राचीन	
२२.५ × ४	४	४७	२५	अपूर्ण	नयी	पुस्तक के चारों कोण भीग कर नष्ट हो गये हैं।
२३ × १४	१४	१०	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य हैं।
२५.७ × ११.५	१०४	७	३२	पूर्ण	,,	बायें कोण से पुस्तक दीमक द्वारा काटी गई, परन्तु विषय वस्तु ठीक है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७४	दर्शन ३७	भट्टभास्कर उपक्रमपराक्रम मूल संस्कृत	अप्पय दीक्षित		पेपर	देवनागरी
७५	३८	अधिकार संग्रह मूल संस्कृत	वेकंठनाथ वेदांताचार्य		"	"
७६	३९	मीमाँसाभाष्य अ० १० मूल संस्कृत	शवरस्वामी		"	"
७७	४०	शारीरिक मीमांसा-भाष्य अ० २ मूल संस्कृत	शंकराचार्य		"	"
७८	गीता १	श्रीमद्भगवत गीता मूल संस्कृत			"	"
७९	२	विष्णु सहस्रनाम मूल संस्कृत			"	"
८०	३	भीष्मस्तवरात्र मूल संस्कृत			"	"
८१	४	अर्जुन गीता मूल संस्कृत		...गिर गोसांई	"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२६ × १०.५	१०३	८	५१	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक के चारों कोण टूट गए हैं परन्तु विषय वस्तु ठीक है !
३१.५ × १४.५	७४	१०	३८	अपूर्ण १से१० पृ० नहीं हैं	,,	दायां भाग दीमक द्वारा नष्ट किया गया है ।
२८ × ६.५	२८२	१०	५०	अपूर्ण पृ० १ से १६ तक नहीं हैं । १७–१४१ हैं ।	,,	लेख सामान्य है । पुस्तक के किनारे टूट गए हैं । विषय वस्तु ठीक है ।
२६ × १०.२	१६२	८	४६	पूर्ण	,,	पुस्तक के चारों भागों पर पानी लगा हुआ है, परन्तु विषय वस्तु ठीक है ।
११.५ × ७.५	३६२	६	११	पूर्ण	उत्तम	तीनों पुस्तकों को मिलाकर पुस्तक का नाम गीता पंचरत लिखा गया है ।
११.५ × ७.५	६२	६	११	,,	,,	
११ ५ × ७.५	८२	६	४	,,	,,	
१४ × १०.५	३६	७	१५	,,	प्राचीन सं० १८६६ वि०	लेखक का नाम अन्तिम पृष्ठ पर है । परन्तु पूरा ज्ञात नहीं हो रहा है । पुस्तक का लेखादि सामान्य है ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८२	गीता ५	अर्जुन गीता मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८३	६	गीता मूल मूल संस्कृत			"	"
८४	७	श्रीमद्भगवत् गीता मूल संस्कृत			"	"
८५	८	महिम्नस्तोत्र सहित श्रीमद्भगवत गीता मूल संस्कृत			"	"
८६	९	ज्ञानेश्वरी गीता "मराठी"			"	"
८७	१०	मनुस्मृति मूल संस्कृत			"	"
८८	११	सूर्य कवच मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७.५ × १०.२	१२	७	१९	अपूर्ण पृष्ठ सं० १ नहीं है और अन्त में भी पूर्ण नहीं है	प्राचीन	
९.८ × ६ २	१७२	६	१३	अपूर्ण पृ०सं० १ से २४ तक नही है।	प्राचीन	पुस्तक की बनावट एवं लेख अति सुन्दर हैं।
१६.५ × १०.५	४२	५	१५	पूर्ण	,,	लेख साफ तथा स्पष्ट है।
१५.५ × १०	२००	८	१७	,,	प्राचीन	लेख साफ तथा स्पष्ट है।
११.८ × ७.५	९०	७	१७	अपूर्ण १ से ८ पृ० नहीं हैं	प्राचीन	
११ × ७.८	५२	६	१४	पूर्ण	उत्तम	लेख स्वच्छ है।
११ × ७.८	१०	६	१४	पूर्ण	उत्तम	लेख स्वच्छ है।

क्र०सं०	पुतक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८९	गीता १२	गीतासार : मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
९०	१३	गीता मूल संस्कृत		अभैराम बीकानेर	"	"
९१	१४	सप्तस्त्रोत्री गीता मूल संस्कृत			"	"
९२	१५	चतुश्लोकी भागवत मूल संस्कृत			"	"
९३	१६	वामन पुराणे गीता महात्म्य मूल संस्कृत			"	"
९४	१७	गीता मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ट पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१ × ९	१४	७	२९	अपूर्ण पृष्ठ सं० १ नहीं है और अन्त में भी पूर्ण नहीं है।	प्राचीन	लेख सामान्य पुस्तक की दशा सामान्य।
१६.५ × १०	३४	१०	२१	अपूर्ण पृ० ४, ६, २४, २६, २९, ३०, ३२, ३४, ४२, ४६, ५४, ५६, ५८, ६० ६२, ६५, ६९	,, ,,	
२१ ५ × ९:३	४	८	३२	पूर्ण	,,	
१५ × ९ ८	२	७	१३	अपूर्ण	प्राचीन	
२०.५ × १३	४	११	३३	पूर्ण	,,	
२१ × ९.५	१००	९	२०	अपूर्ण	नया	पुस्तक अस्त-व्यस्त दशा में है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९५	गीता १८	गीता श्रीधरी टीका, मूल संस्कृत	वासुदेव शर्मा	श्रीधर भट्ट	पेपर	देवनागरी
९६	१९	श्रीधरी गीता मूल संस्कृत	श्रीधर स्वामी		"	"
९७	२०	नारद गीता मूल संस्कृत			"	"
९८	रामायण १	अध्यात्म रामायण मूल संस्कृत			"	"
९९	२	"			"	"
१००	३	"			"	"

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८.५ × १६.५	३३२	१२	३४	पूर्ण	उत्तम	पुस्तक की बनावट एवं लेख अति सुन्दर हैं।
२६.८ × १४.८	२७६	१५	३६	,,	प्राचीन	पुस्तक के पहले भाग के कुछ अक्षर नष्ट हो गये हैं।
१५.३ × ६.८	१२	८	१७	,,	प्राचीन	
२०.८ × १६.८	१०	१४	२७	पूर्ण बालकाण्ड सर्ग	प्राचीन १६१२ वि० भाद्रपदे ६ गते	
२७ ५ × १२	३८	६	३४	अपूर्ण उत्तराकाण्ड सर्ग ४½ तक	प्राचीन	पुस्तक के दोनों कोण फट गये हैं परन्तु विषय-वस्तु सुरक्षित है।
२७ × ११.५	१६	७	३२	पूर्ण उत्तराकाण्ड सर्ग ५	प्राचींन १६०८ वि० कार्तिक	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	रामायण					
१०१	४	अध्यात्म रामायण मूल संस्कृत	हंसराम देवप्रयागी		पेपर	देवनागरी
१०२	५	मूल रामायण मूल संस्कृत	भवानन्द		"	"
१०३	६	शतश्लोकी मूलरामायण मूल संस्कृत			"	"
१०४	७	बाल्मीकि रामायण मूल संस्कृत			"	"
१०५	८	रामचरितमानस "हिन्दी"	वैष्णव काशीदास		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६×१०.४	३६	६	२०	पूर्ण अ०रा० के प्रत्येक काण्ड के प्रत्येक सर्ग का अन्तिम श्लोक ।	प्राचीन १८६४ वि० आषाढ़	चारों कोण पानी से भीग कर नष्ट हो गये हैं किन्तु
१८.५×९	२४	९	२२	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक के पहले पृष्ठ पर पूरी विषयवस्तु नहीं है क्योंकि पुस्तक के चारों कोण टूट गये हैं ।
२५.८×११.८	२२	६	३०	अपूर्ण	,,	पुस्तक में अन्त भाग नहीं है ।
३०×१३.८	११८	१७	३९	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक की दशा अस्त-व्यस्त है । पृ०सं० क्रम से नहीं है और कुछ पृ० पुस्तक में हैं ही नहीं ।
२०×११	५४	१०	३०	पूर्ण केवल सुन्दरकांड	उत्तम	

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६	रामायण ६	रामचरितमानस. "हिन्दी"			पेपर	देवनागरी
१०७	१०	प्रदीप रामायण मूल संस्कृत			"	"
१०८	११	अध्यात्म रामायण सटीक मूल संस्कृत			"	"
१०९	१२	रामायण अध्यात्म सटीक मूल संस्कृत		श्रीराम वर्मा	"	"
११०	१३	रामायण महात्म्य मूल संस्कृत			"	"
१११	महा-भारत १	आदि पर्व मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.५ × १४.५	५६	१०	२५	पूर्ण केवल किष्किन्धा का०	प्राचीन	
३०.५ × १५.५	४४	८	४६	अपूर्ण	प्राचीन	२२ पृ० के बाद पृष्ठ नहीं हैं ।
३२.५ × १६.५	३५४	४	६०	अपूर्ण आरम्भ का किष्किन्धा का० सुन्दरका०, लंकाका० और उत्तरका० हैं ।	"	बालकाण्ड तथा अयोध्या काण्ड नहीं है ।
३६ × १६	५६०	१३	४०	पूर्ण रामायण के काण्ड पूर्ण हैं ।	उत्तम	लेख शुद्ध एवं स्वच्छ है ।
२६ × १३	३०	१२	३१	पूर्ण स्कन्दपुराणांतर्गत रा० महात्म्य	उत्तम	स्कन्दपु० उ० ख० १ से ५ अध्याय ।
३४.८ × १३.५	३५०	१२	५६	पूर्ण	उत्तम	पृ०सं० १ से १० तक टीका लिखने का प्रयास भी किया गया ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	महा-भारत					
११२	२	सभापर्व म० भा० मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११३	३	वनपर्व मूल संस्कृत			"	"
११४	४	विराट मूल संस्कृत			"	"
११५	५	उद्योग मूल संस्कृत			"	"
११६	६	भीष्म मूल संस्कृत			"	"
११७	७	द्रोण मूल संस्कृत			"	"
११८	८	कर्णपर्वत म० भा० मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३४.८×१३.५	१७२	९	१८	पूर्ण	उत्तम	हाशिया के बाहर भी आवश्यक श्लोक कहीं-२ पर लिखे गये हैं।
३४.८×१३.५	७५४	१०	५३	पूर्ण	उत्तम १७५०वि०	
३१.५×१२.५	१५६	११	४२	पूर्ण	उत्तम १८७८वि०	प्रथम पृष्ठ पर कुछ श्लोकों के सूच्यंक दिये गये हैं।
३४.८×१३.५	४४२	१०	४६	पूर्ण	उत्तम १७४६वि०	
३४.८×१३.५	३७२	११	५४	पूर्ण	उत्तम	
३४.८×१३.५	५७८	११	५५	पूर्ण	उत्तम १८६०वि०	दो प्रकार का पेपर है।
३६.८×१३.५	३२०	११	५०	पूर्ण	उत्तम	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज़ का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	महा-भारत					
११६	६	शल्य पर्वत मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२०	१०	सौप्तिकपर्व म०भा० मूल संस्कृत			"	"
१२१	११	स्त्री पर्व म० भा०			"	"
१२२	१२	शान्ति पर्व म०भा० मूल संस्कृत		नयनसुख	"	"
१२३	१३	अश्वमेधपर्व म०भा० मूल संस्कृत			"	"
१२४	१४	आश्रमपर्व म०भा० मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३४.८×१३.५	२२८	१०	६६	पूर्ण	उत्तम	
३४.८×१३.५	४८	१०	५७	"	"	
३४.८×१३.५	५४	१०	५१	"	"	प्रथम पृष्ठ में पर्व की श्लोक से ८६४ एवं अध्याय सं० २७ दर्शन भी गई है।
३३×१७	१२४०	१३	४५	पूर्ण	उत्तम १८५४ वि०	रात्र, आपत् मोक्ष और दान संबन्धित विषयों का पेत्र वर्णन पेत्र वर्णन पृ० १ पर उद्धत है।
३४.८×१३.५	१९६	८	४५	पूर्ण	उत्तम १७५२ वि०	
३४.८×१३.५	७८	१०	५५	पूर्ण	उत्तम १७५१ वि०	यह पव काशी में लिखा गया।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२५	महा-भारत १५	मौशूलपर्व म०भा० मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२६	१६	महाप्रस्थानपर्व म०भा० मूल संस्कृत			"	"
१२७	१७	स्वर्गारोहण पर्व म०भा० मूलसंस्कृत			"	"
१२८	१८	म०भा० कथा सूची मूल संस्कृत			"	"
१२९	१९	म०भा० प्रकाशिनी विरोध मंत्रिनी टीका मूल संस्कृत			"	"
१३०	२०	वन पर्व म०भा० मूल संस्कृत		बखतराम आभानेरी	"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३४.८ × १३.५	२६	१०	४३	पूर्ण	उत्तम	
३४.८ × १३.५	१०	११	५६	पूर्ण	उत्तम	
३४.८ × १३.५	१६	१०	५४	पूर्ण	उत्तम १७५१वि०	क्र० ८८ से १०४ तक महाभारत के १७ पर्व हैं। केवल अनुशासन पर्व नहीं है।
२२ × १३	३२	३४	१५	अपूर्ण	प्राचीन	
३० × १३	१०८	१०	४८	पूर्ण	"	अति जीर्णता के कारण पुस्तक के किनारे फट गये हैं परन्तु विषयवस्तु ठीक है।
४१ × १६	५२६	१४	५८	पूर्ण	उत्तम १८१६वि०	पुस्तक का बांया किनारा फट गया है किन्तु विषय-वस्तु ठीक है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३१	महा-भारत २१	अश्वमेधपर्व म०भा० मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३२	२२	म०भा० सारः मूल संस्कृत			"	"
१३३	२३	"			"	"
१३४	२४	म०भा० आश्चर्य हरिवंश मूलसंस्कृत			"	"
१३५	पुराण १	केदारखण्ड सूची गढ़वाली	नरसिंह दत्त		"	"
१३६	२	केदार कल्प मूल संस्कृत	लक्ष्मीनारायण		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३२.५ × १३	३२८	१२	४३	पूर्ण	उत्तम	
३४.८ × १३.५	२७६	१०	४६	पूर्ण	,,	
३४ × १७.८	६२	१४	३८	पूर्ण आदि पर्व से वन पर्व पर्यन्त	,,	प्रथम पृष्ठ पर महाभारत के पर्व, अध्याय एवं सूची उद्धृत हैं।
३२.५ × १६	१३२६	१४	४७	पूर्ण	,,	प्रथम पृष्ठ के बांये भाग से कागज टूट गए। कुछ पिषय वस्तु नष्ट हो गई है।
४२ × १३	४४	९	५०	पूर्ण पृ० १ से १२ तक साइज १३ ५ × ११	प्राचीन १९३२ वि०	लेखक का नाम एवं सम्बत् पृष्ठ २ से ज्ञात होता है।
२२.५ × ११	१६६	८	२८	अपूर्ण पृ०सं० १ नहीं है	प्राचीन १९५९ वि०	पुस्तक के किनारे के भाग टूट गये हैं किन्तु विषय-वस्तु सुरक्षित है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३७	पुराण ३	केदार कल्प मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३८	४	केदार खण्ड मूल संस्कृत	नरसिंह दत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१३९	५	केदार खण्ड मूल संस्कृत			,,	,,
१४०	६	,,			,,	,,
१४१	७	नाश्केतोपारकान मूल संस्कृत			,,	,,
१४२	८	चौबीस अवतारों की कथा, हिन्दी			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२.८ × १४.८	३०	११	२६	पूर्ण ईश्वर पार्वती सम्वाद पटल	प्राचीन १८६६ वि०	
३५ × १५.५	६७६	११	६०	पूर्ण	प्राचीन १९३८ वि०	पुस्तक के अन्तिम ३ पृष्ठों पर दीमक द्वारा छेद किए गए हैं।
३८ × १७.५	५१८	१३	६१	„	प्राचीन १९९३ वि०	
३७ × १६	२०	१२	५०	पूर्ण अध्याय १६२ से १७० तक	प्राचीन	
२६.५ × १३.५	१३०	११	३६	पूर्ण प्रथम अध्याय से १८ अध्याय तक	उत्तम १९२४ वि०	
२१.८ × १०.५	६८	६	२२	अपूर्ण	प्राचीन	ग्रन्थ की स्थिति सामान्य है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४३	पुराण ६	नागलीला हिन्दी	गंगाराम		पेपर	देवनागरी
१४४	१०	सोमोत्पत्ति मूल संस्कृत			"	"
१४५	११	पुराण संख्यां नामावलि मूलसंस्कृत			"	"
१४६	१२	स्कन्दीय अशीखण्ड मूल संस्कृत			"	"
१४७	१३	भागवत सूची पुस्तक व्याख्या			"	"
१४८	१४	श्रीमद्भागवत सटीक मूल संस्कृत	शिवरत्न तिवारी	श्रीधरी टीका	"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
८.५ × ११.८	६	७	२४	अपूर्ण	प्राचीन	
२३.५ × ११	४	९	३२	अपूर्ण	,,	
२६.८ × २०.५	२	२६	२७	पूर्ण	,,	
३४.८ × १३.५	११८	१०	५३	अपूर्ण पृष्ठ १ से ५ तक नहीं है।	प्राचीन	पुस्तक के किनारे टूट गये हैं परन्तु विषयवस्तु सुरक्षित है।
२९ × १६	१४	११	२९	पूर्ण	,,	
३६ × १८	१३२	१५	५०	पूर्ण केवल द्वितीय स्कन्ध	प्राचीन १९२२ वि०	पुस्तक के किनारे दीमक से नष्ट हो गये हैं किन्तु विषय वस्तु ठीक है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४९	पुराण १५	श्रीमद्भागवत सटीक मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१५०	१६	गर्गसंहिता गोलोकखण्डम्	गर्ग		"	"
१५१	१७	नासिकेतोपाख्यान मूल संस्कृत			"	"
१५२	१८	गरुड़ पुराण प्रेतकृत्य मूल संस्कृत	ज्वालादास नामापुर		"	"
१५३	१९	शिवपुराण मूल संस्कृत			"	"
१५४	२०	हरिवंश मूल संस्कृत	शिवदत्त शर्मा श्रीनगर		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति-पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३०×१५.५	२००	१६	४०	अपूर्ण केवल दशम स्कंध पूर्वार्द्ध	प्राचीन	पुस्तक की दशा अस्त-व्यस्त है।
३६×१५.५	१३२	८	३४	पूर्ण	प्राचीन १९२१ वि०	पुस्तक के किनारे पानी से भीगकर नष्ट हैं किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
३०×११.५	११०	६	३७	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूट गए हैं परन्तु विषय वस्तु ठीक है।
२९.८×१५.५	११६	१४	४१	पूर्ण	प्राचीन १८९२ वि०	तथैब
२९×१६.५	८	१२	३७	अपूर्ण प्रसंगहीन केवल ४ पृष्ठ हैं	प्राचीन	
३७×१७	९५२	१३	५०	पूर्ण	प्राचीन १८८३ वि०	पुस्तक के किनारे के भाग टूट गये हैं किन्तु विषय-वस्तु ठीक है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५५	पुराण २१	केदार यात्रा बर्णन मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१५६	२२	श्रीमद्भागवत सृष्टिक्रम चार्ट मूल संस्कृत			,,	,,
१५७	२३	श्रीमद्भागवत दशम स्कन्ध मूल संस्कृत	देवराम उपाध्याय देवालपुरम		,,	,,
१५८	२४	श्रीमद्भागवत षष्ट स्कन्ध मूल संस्कृत			,,	,,
१५९	२५	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत	ब्राह्मणपारीक केशोराम, कोटापुर।		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३७×१७.५	६०	१४	५०	पूर्ण पृ०४७७ से आरंभ होकर ५२२ में पूर्ण	प्राचीन	अन्तिम के दो पृष्ठ टूट गए हैं किन्तु उनमें विषय वस्तु ठीक है।
६७×५५	२	१५	६७	पूर्ण वर्तुलाकार आकार की इस चार्ट में दो पंक्तियां हैं	,,	चार्ट के बाहर कपड़ा लगा हुआ। कुछ दीमक ने काट दिया। परन्तु विषयवस्तु ठीक है।
२४.५×१३.५	७०	९८	२३	पूर्ण	प्राचीन १९१७ वि०	पुस्तक के पृष्ठ १ से ८ तक पृष्ठों का १/४ भाग फट गया है जिसकी विषय वस्तु भी नष्ट हो गई है। लेख अच्छा है।
२६.५×१२.८	७०	१३	३६	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक के किनारे कुछ टूट गये हैं परन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख स्वच्छ है।
२९.५×१९	१६	९	३४	पूर्ण प्रथम स्कन्ध	उत्तम	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६०	पुराण २६	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत	ब्राह्मण पारीक केशोराम कोटापुर		पेपर	देवनागरी
१६१	२७	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत	„		„	„
१६२	२८	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत			„	„
१६३	२९	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत			„	„
१६४	३०	श्रीमद्भागवत श्रीधरी टीका सहित			„	„
१६५	३१	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत	नारायण देवप्रयाग		„	„

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३३·५ × १६	२१४	१०	३६	पूर्ण द्वितीय एवं तृतीय स्कन्ध	उत्तम	द्वितीय स्कंध में २४ पृष्ठ तृतीय में ८३ पृष्ठ हैं।
३२·५ × १६.५	६१८	१०	३२	पूर्ण चतुर्थ स्कन्ध से द्वादश तक	"	च० स्क० पृ० ८७, पं० स्क० पृ० ६८, स० स्क० ४८, सं० स्क० ४३, अ० स्क० ५४, न०स्क०५३, द०स्क०२३९, ए० स्क० ८३, का० स्क० ३४
३३ × १६.८	३८	१२	४६	पूर्ण भागबत म०	प्राचीन १६४८ वि०	
३४.५ × १७.५	११६	१५	३९	अपूर्ण प्रथम से चतुर्थ स्कंध तक	प्राचीन १६४८ वि०	प्र० स्क० पृ० २६, दि० ११-८-२९, च०स्क०१७ चतुर्थ स्कन्ध अपूर्ण है।
३३.५ × १६	८६	११	६४	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक की हालात अस्त-व्यस्त हैं। पृ० सं० भी क्रम से नहीं है।
३४.८ × १७·५	८४	१९	५४	पूर्ण पंचम एवं षष्ट स्कंध	प्राचीन	पंचम स्कंध में २४ पृष्ठ षष्ठ में १८ पृष्ठ। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	पुराण					
१६६	३२	श्रीमद्भागवत श्रीधरी टीका मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१६७	३३	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत			,,	,,
१६८	३४	श्रीमद्भागवत श्रीधरी टीका मूल संस्कृत			,,	,,
१६९	३५	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत			,,	,,
१७०	३६	श्रीमद्भागवत श्रीधरी टीका मूल संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३५.५ × १५.५	१३४	१८	५५	अपूर्ण केवल सप्तम स्कन्ध	प्राचीन १६४८ वि०	लेख अच्छा है। पुस्तक के किनारे टूट गये हैं जिससे कुछ विषयवस्तु भी नष्ट हो गई है।
३४ × १७.३	४०	१८	५०	अपूर्ण केवल अष्टम स्तन्ध	प्राचीन	अष्टम स्कन्ध २३अध्याय पूरे तथा २४वें अध्याय के ६० श्लोक हैं। लेख सामान्य है।
३३ × १५.२	९४	११	५८	पूर्ण केवल नवम स्कन्ध	प्राचीन	केवल २४ अध्याय हैं। पुस्तक के किनारे जलकर नष्ट हो गए हैं। किन्तु विषयवस्तु ठीक है। लेख अच्छा है। २४वां अध्याय किसी अन्य ने लिखा है।
३३ × १४.८	२८२	११	३८	पूर्ण केवल दशम	प्राचीन	पृ० सं० ११ तक एक व्यक्ति ने और इसके बाद पृष्ठ १३८ तक एक व्यक्ति ने तथा पृ० १३९ से १४१ तक एक व्यक्ति ने लिखी। दशा अस्त-व्यस्त है।
३३.५ × १५	२४४	१२	५५	पूर्ण केवल एकादश स्कन्ध	"	पुस्तक एक किनारे से जलकर नष्ट हो गई है किन्तु विषयवस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७१	पुराण ३७	श्रीमद्भागवत मूल संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१७२	३८	श्री गणेश पुराणम् मूल संस्कृत	पंचोली जी श्री धनरूप जी		"	"
१७३	३६	श्रीमद्देवीभागवत मूल संस्कृत			"	"
१७४	कोष १	एकाक्षिराम धनम् मूल संस्कृत			"	"
१७५	२	अमर कोष मूल संस्कृत			"	"
१७६	३	अमर कोष मूल संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३३ ५ × १५	५८	११	४६	पूर्ण केवल द्वादश स्कन्ध	१६७२ वि०	पुस्तक का एक भाग जलकर नष्ट हो गया हैं, किन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।
३६ ५ × १८ २	२८८	१५	५२	पूर्ण	उत्तम १८२० ई० १८७७ वि०	शुद्ध व स्वच्छ अक्षर हैं।
४१.८ × १८.८	१०१२	१४	५०	पूर्ण	उत्तम १८५७ ई० १९१४ वि०	शुद्ध एवं साफ अक्षर हैं। प्र० स्क० पृ० २६, द्वि० १८, तृ० ४२, च० ३३, पं० ५५, स० ५०, सं० ४६, अ० २७, न० १३४ द० १५, ए० ३३, द्वा० स्क० २०।
२३.४ × ६.८	४	१०	४०	पूर्ण	प्राचीन	किनारे से पृष्ट फट गए हैं किन्तु लेख सुरक्षित है।
२७ × १२.५	६०	५	२६	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक अपूर्ण है। १ से ५ तक पृष्ठ नहीं हैं।
२७ × १३	८	६	२७	अपूर्ण	प्राचीन	अपूर्ण ग्रन्थ। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७७	कोष ४	कोष संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१७८	५	अमरकोष संस्कृत			"	"
१७९	६	अमरकोष संस्कृत			"	"
१८०	७	एकाक्षरी कोष संस्कृत			"	"
१८१	८	ज्योतिष निघण्टु कोष, संस्कृत			"	"
१८२	९	निघण्टु कोष संस्कृत			"	"
१८३	१०	अकारादिनाम कोष संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.५ × १३.५	६	२७	१६	अपूर्ण	प्राचीन	
२६ × १०	२२०	६	३२	पूर्ण द्वि० तृ० का०	प्राचीन १८२२ वि०	पुस्तक के किनारे टूट गये हैं। किन्तु विषयवस्तु ठीक है।
२६.५ × ११.४	११६	५	२७	पूर्ण द्वि० तृ० का०	प्राचीन	द्वि०अ०पृ० ४४ तृ०का० पृ० १४ है।
२५.८ × १२.८	४	१२	३१	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक की दशा ठीक नहीं है किन्तु विषयवस्तु ठीक है।
१४.८ × ११	८	८	२१	पूर्ण	उत्तम	
२१ × १०.२	३२	८	२०	पूर्ण	उत्तम	लेख शुद्ध एवं साफ है। सारिणी बनी है। सामान्य लेख है।
२० × ८.८	१२	१२	२०	,,	प्राचीन	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८४	कोष ११	अमरकोष संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१८५	१२	अकारादिकोष सूचीपत्रम् अमरकोष संस्कृत			"	"
१८६	१३	अमरकोष संस्कृत			"	"
१८७	१४	मेदिनी कोष संस्कृत			"	"
१८८	मन्त्र १	सुभाषित मंत्र संग्रह संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र झगड़ू कुड़कू		"	"
१८९	२	दर्पंद्रष्टं संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८ × १३·५	४१६	१८	५५	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक के किनारे टूट गए हैं, किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
२६·५ × ११	४४	१४	२५	अपूर्ण ५० अक्षर तक	,,	अक्षर भी पूरा नहीं हैं।
३१ × १२.८	२०२	९	३२	पूर्ण द्वि० तृ० तक	,,	पुस्तक के किनारे पानी से भीगकर नष्ट हो गए हैं। विषय वस्तु ठीक है।
३३.८ × १५	२३४	१०	३२	पूर्ण १६०७ वि०	प्राचीन	पुस्तक के किनारे पर स्याही पड़ी है। विषय वस्तु ठीक है।
२३ × ११	१२८	३१	२०	अपूर्ण विभिन्न मंत्रों का संग्रह महाभारत से किया गया है।	प्राचीन	पुस्तक में पृष्ठ सं० नहीं हैं। पृष्ठ कोई बड़े कोई छोटे हैं। पुस्तक का पाठ्यक्रम क्रम से नहीं है। दशा अस्त व्यस्त है।
२२ × १३	१६	२७	२२	अपूर्ण	प्राचीन	

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	मन्त्र					
१९०	३	श्री लक्ष्मीनारायण हृदयम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१९१	४	सुदर्शनचक्रोद्धारः संस्कृत			,,	,,
१९२	५	नृसिंह षडाक्षर महामंत्र संस्कृत	भिखारी ब्राह्मण देवप्रयाग		,,	,,
१९३	६	संतानगोपाल स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
१९४	७	सन्तानगोपाल मन्त्र संस्कृत			,,	,,
१९५	८	सन्तानगोपाल महामन्त्र योग संस्कृत			,,	,,
१९६	९	सन्तान कामनानुष्ठान संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८ ५×११.३	११६	६	१२	पूर्ण	उत्तम	
१६×९.४	१२	८	१९	अपूर्ण	,,	लेख शुद्ध एवं साफ है।
१६.५×१०	१४	८	१८	पूर्ण मंत्र नृसिंह पुराण से लिया।	प्राचीन १८१३ वि०	पुस्तक के किनारे टूट गये हैं। विषय वस्तु ठीक है।
१९.३×७.५	६	९	१९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, पृष्ठ सं० क्रम में नहीं है।
१५.७×११	८	९	२२	पूर्ण इसे बन्ध्यहरण औषध भी कहते हैं	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय वस्तु ठीक है।
१७.५×११.५	४	१२	२५	पूर्ण	उत्तम	
४२.५×१६.२	२	३७	१८	,,	प्राचीन	पृष्ठ बीच में फटा हुआ है, जिससे कुछ विषयवस्तु भी नष्ट हो गई है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९७	मन्त्र १०	वामनस्तोत्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१९८	११	वामनजयन्ती पूजा संस्कृत			,,	,,
१९९	१२	गजेन्द्रमोक्षणे फलस्तुति संस्कृत			,,	,,
२००	१३	जितंतेस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२०१	१४	नारायणवर्पनारायणाथर्वशीर्ष सहित जितंतेस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२०२	१५	लक्ष्मीनृसिंह कवच स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७·५ × ६.८	२	१०	३१	पूर्ण बृहन्नारदीय से लिया गया	उत्तम १६३१ वि०	
१६·७ × १०	६	७	१८	पूर्ण वा० पु० से लिया	उत्तम	
१६ × ६	२	७	२५	पूर्ण म०भा० से लिया	”	
१६.३ × ११	१८	१३	२४	पूर्ण पंचराज्यावगम से लिया गया	” १८६६ वि०	लेख उत्तम।
१७ × ११	३६	८	२३	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक भीगकर एवं दीमक से अतीव ही ध्वस्त की गई है। पृ० सं० १ से ३ तक नहीं है।
१२.५ × ८.८	२०	७	११	पूर्ण	उत्तम १८७५ वि०	

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०३	मन्त्र १६	गण्डभैरुण्ड नृसिंह कवचम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२०४	१७	महानारायणः मंत्र-रात्र चिन्तामणी संस्कृत	भवानी दत्त		"	"
२०५	१८	श्री सुदर्शन कवच स्तोत्रम् संस्कृत			"	"
२०६	१६	गजेन्द्र मोक्ष संस्कृत			"	"
२०७	२०	कृष्ण मन्त्र संस्कृत			"	"
२०८	२१	श्रीकृष्णस्तवः संस्कृत	गोवर्धन		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
६८.५ × १७	२	३५	२४	पूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ के किनारे फटे हैं, परन्तु विषयवस्तु ठीक है
१७ २ × १०	२६	८	१७	पूर्ण वराह पुराण से लिये गये मन्त्र	प्राचीन १८५८ वि०	पुस्तक किनारे से फट गई है, किन्तु विषयवस्तु ठीक है।
१८ × १३.५	१६	१३	२६	पूर्ण सुदर्शनकवच सहित सु०म० स्तो० पं० प्र०ना०मृ० स्तोत्र शान्ति पाठ का संकलन	प्राचीन	पुस्तक के किनारे दीमक से नष्ट हो गये हैं।
१५.५ × १०.७	४२	६	१७	पूर्ण	उत्तम	
१६.५ × १०.८	२	१०	२६	पूर्ण	"	
१७ × ९.५	२	११	२७	"	" १८१० वि०	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०९	मन्त्र २२	गजेन्द्र मोक्ष संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२१०	२३	,,			,,	,,
२११	२४	लक्ष्मीनारायण पूजा संस्कृत			,,	,,
२१२	२५	तुलसीस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२१३	२६	शालिगराम स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२१४	२७	सुदर्शनचक्र विचार संस्कृत			,,	,,
२१५	२८	सन्तानगोपाल मंत्र संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७ × ६.३	३०	६	२७	पूर्ण म०भा०से लिया गया	प्राचीन	किनारे फट गये हैं। विषय वस्तु ठीक है।
१७ × ६.५	४२	७	२३	,,	उत्तम	
१६.५ × ११.५	४	८	१८	पूर्ण	प्राचीन	
१५.५ × ८.२	१०	८	१८	पूर्ण स्कन्द पुराण से लिया गया	,, १८९२ वि०	पृ०सं० ३ व ४ नहीं है। लेख अच्छा है।
१७.७ × ९	८	६	१६	अपूर्ण भ०पु० से लिया गया	प्राचीन	
१७ × १५.५	२	१०	२७	पूर्ण	उत्तम	
१२.५ × ८	२	४	१३	पूर्ण केवल एक मन्त्र	प्राचीन	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१६	मन्त्र २९	कृष्णअष्टोत्तर-शतनामस्तो० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२१७	३०	गोपालस्तव रात्र० संस्कृत			"	"
२१८	३१	श्रीगोपालपटल संस्कृत			"	"
२१९	३२	माधवस्तवरात्र संस्कृत	श्री राम कल्याणी		"	"
२२०	३३	हरिस्तोत्रम् संस्कृत	वेदनिधि		"	"
२२१	३४	स० गोपाल म० विधानम् संस्कृत			"	"
२२२	३५	सं० गो० विधि संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७×८.८	१२	७	१६	पूर्ण ब्र० पु० से	उत्तम १८८२ वि०	
१६×६५	६	७	२१	पूर्ण गौतमीतंत्र से	उत्तम	
१६.८×६.८	१४	८	२२	पूर्ण संमोहनतन्त्र से	१६०० वि०	
१८.२×११.६	१२	१६	१३	पूर्ण वा० पु० से	उत्तम १६२६ वि.	लेख सामान्य है।
१८.५×११२	२	२७	३५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१२.२×८	१०	८	१८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२२.२×१२	२	१६	१६	,,	प्राचीन	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२३	मन्त्र ३६	तुलसी पूजा संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२२४	३७	तुलसी विवाह संस्कृत			,,	,,
२२५	३८	तुलसी पूजा वि० संस्कृत			,,	,,
२२६	३९	तुलसीस्तोत्रम्, राधास्तोत्र संस्कृत			,,	,,
२२७	४०	राधास्तोत्रम्			,,	,,
२२८	४१	महानारायणमं० राजस्तोत्रचिंतामणि संस्कृत			,,	,,
२२९	४२	पूर्वदिनचरी– यतिराजविंशति			,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६ ६ × १०.६	२	११	३६	अपूर्ण	प्राचीन	
२१.५ × १० ५	८	८	२६	अपूर्ण	प्राचीन	
२०.२ × १०	४	८	२४	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूट गये हैं किन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।
१६.८ × १०.२	४	१४	३४	अपूर्ण स्क० पु०	प्राचीन	किनारे टूट जाने से विषयवस्तु भी नष्ट हो गई है।
१६.१ × १३.४	४	८	२५	पूर्ण ब्र० पु०	प्राचीन	
१७ × १०	२०	६	२०	अपूर्ण	प्राचीन १८३६ वि०	
२०.२ × ६	१२	६	३४	पूर्ण	प्राचीन	शुद्ध एवं साफ अक्षर हैं।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३०	मन्त्र ४३	पुत्रस्तुतिस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२३१	४४	गोपालसहस्त्रनाम संस्कृत			,,	,,
२३२	४५	,,			,,	,,
२३३	४६	श्रीकृष्ण पूजापद्धति संस्कृत	श्रीनृसिंह दत्त महाराष्ट्र		,,	,,
२३४	४७	विष्णु सहस्त्रनाम सटीकशालीग्राम स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२३५	४८	रामस्तवसहित मैत्र कवचस्तोत्र, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०×४.१०	२	७	२७	पूर्ण	उत्तम १८५०	अक्षर सामान्य हैं।
२०×१०	४०	८	२०	" सम्मोहन तंत्र से	उत्तम १९२५ वि०	लेख उत्तम है।
२०.८×११	५०	६	२०	"	प्राचीन १९३२ वि०	प्रथम पृष्ठ का दसवां हिस्सा टूट गया है उसकी विषय वस्तु भी नष्ट हो गयी है।
१९.५×११.८	१४	११	२९	पूर्ण आगमकल्पतायान्तके	उत्तम १९३३ वि०	लेख सामान्य है।
१९.५×१३	३४	१०	२२	पूर्ण	उत्तम १८०८ वि०	
१०.५×१३	२८	९	१९	पूर्ण	उत्तम १८०८ वि०	लेख दो प्रकार का है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३६	मन्त्र ४६	अनुस्मृतिः संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२३७	५०	तुलसीविष्णु विवाह विधि, संस्कृत			,,	,,
२३८	५१	गजेन्द्र मोक्ष, संस्कृत	मथुरादास		,,	,,
२३६	५२	भीमस्तवरात्र संस्कृत			,,	,,
२४०	५३	श्रीशालिगराम स्तोत्रमंत्र संस्कृत			,,	,,
२४१	५४	शालिग्रामनिर्गम संस्कृत	अयोध्याधीश श्रीप्रतापनारायणसिंह		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२.७×११	१८	८	३०	,, विष्णुधर्मोतर से महाभारत	उत्तम	लेख उत्तम हैं।
२१×१०	८	६	२२	अपूर्ण	प्राचीन	सामान्य लेख है।
२३×१३.२	२८	९	२७	पूर्ण, म०भा०	प्राचीन १९३२ वि०	सामान्य लेख है।
२२.८×१३	२०	९	२५	पूर्ण म०भ० शान्ति पर्वसे	उत्तम	लेख उत्तम है।
२५×११.५	४	१०	३३	पूर्ण भविष्योतरपुराण	प्राचीन १९१४ वि०	लेख सामान्य है।
२३×१४.३	२	१८	३९	पूर्ण	उत्तम	भारत जीवन में प्रकाशित।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४२	मन्त्र ५५	हरिमन्दिराष्टकम्, संस्कृत	केशवानन्दयति		पेपर	देवनागरी
२४३	५६	गोपालसहस्त्रनाम स्तोत्रम्, संस्कृत			,,	,,
२४४	५७	अहरोत्रधर्म संस्कृत			,,	,,
२४५	५८	माधवस्तवरात्र संस्कृत			,,	,,
२४६	५६	संदर्शनशतकम् संस्कृत			,,	,,
२४७	६०	श्रीलक्ष्मीनारायण हृदयम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.५ × २१.३	२	२४	२८	पूर्ण	१९०० ई० उत्तम १९४६ वि०	लेख उत्तम है।
२३.२ × १४.८	२६	१२	२७	पूर्ण सम्मोहनमंत्र	उत्तम	लेख उत्तम है।
२५.८ × १२.५	२	९	४०	पूर्ण श्रीवल्लभाचार्यविरचित मधुराष्टक सहित अहोरात्रधर्म।	उत्तम	लेख सामान्य है।
२७ × १२	८	९	४०	पूर्ण वायुपुराण	प्राचीन	पुस्तक बीच से टूट गई है। किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
२३ × १२.१	१०	११	४०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय वस्तु पूरी नहीं है।
२१.८ × ११.३	२०	१०	२५	,,	प्राचीन	किनारे के भाग नष्ट हैं, जिनसे कुछ विषय वस्तु भी नष्ट हो गई है। विषय पूरा नहीं है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४८	मन्त्र ६१	अनुस्मृतिः संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२४९	६२	कृष्ण-राम-लक्ष्मी-नृसिंह- नामवलि संस्कृत			”	”
२५०	६३	कवचस्तोत्र मंत्रम् संस्कृत			”	”
२५१	६४	नारदपंचरात्र संस्कृत			”	”

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३ × १३.२	१२	९	२७	पूर्ण महाभारत	उत्तम	
४३.५ × २८.७	२	५३	२६	पूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ बीच से फट गया है। विषय वस्तु ठीक है।
२७ × १४.५	१२	२४	१२	पूर्ण लक्ष्मीकवच, दुर्गस्तोत्र, सुदर्शनस्तोत्रक मंत्र षटक्षर नृसिंह मन्त्र।	प्राचीन	एक ही पृष्ठ को मोड़कर छः पृष्ठ बनाये गये हैं। सामान्य लेख है।
२७.६ × १७.८	१८०	१३	३५	अपूर्ण पृ०सं० ५ से ९४ तक परमागम चूड़ामणों नारदपंचरात्र। पांचवें पटल के १ से १८ तेरवें पं० १३२ से ४६वें, पं० के २७, ५०वें पं० १०४ से ५१वें, पं० के ५ तक ६३वें पं० ७९ से ६६वें, पं० २० तक९४वें पं० के १७ के बाद श्लोक नहीं हैं।	उत्तम	पृ०सं० ५ में श्लोक १८ से आरम्भ है और पृ० ९४ में श्लोक १७ में समाप्त है। लेख उत्तम है।

क्र॰सं॰	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५२	मन्त्र ६५	शालिग्रामपू॰निर्गम संस्कृत	अयोध्याधीश श्रीप्रतापनारायणसिंह		पेपर	देवनागरी
२५३	६६	तुलसीमाहात्यम् संस्कृत	प्रभुदयाल मिश्र		,,	,,
२५४	६७	,,	घासीराम गुजराती फतेपुर		,,	,,
२५५	६८	हनुमान संस्कृत स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२५६	६९	,,			,,	,,
२५७	७०	हनुमानअष्टोतर-शतनामवलि संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४.५×१६.५	४	२२	३३	पूर्ण	उत्तम १९००ई०	लेख सामान्य है।
३१.५×१५.६	६०	१२	३०	" विष्णुधमोतर	उत्तम १८८४ वि०	लेख उत्तम है।
२३.७×१२.८	९८	११	३८	पूर्ण पद्मपुराण	उत्तम १९०५ वि०	लेख सामान्य है।
१२.७×१०.९	१६	४	९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.८×९	८	७	१७	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
१३×१०	४६	५	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५८	मन्त्र ७१	हनुमत्कवचम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२५६	७२	पंचमुखीहनुमत्कवचम्, संस्कृत			,,	,,
२६०	७३	,,			,,	,,
२६१	७४	त्रिमुखीहनुमत्कवचम् संस्कृत			,,	,,
२६२	७५	हनुमान उपासना संस्कृत			,,	,,
२६३	७६	हनुमत्मंत्र चौरमंत्र, संस्कृत			,,	,,
२६४	७७	सकलजन वशीकरण हनुमत्मंत्र, संस्कृत			,,	,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.२ × १०.७	१८	७	१८	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० ११ है, पृ० सं० १ और ८ नहीं है।
१५.७ × १०	८	१०	२५	अपूर्ण रुद्रमा०सु० संस्कृत	प्राचीन १८६४ वि०	पृ० सं० ६ तक है, किन्तु पृ० सं० ३, ५ नहीं हैं।
१५.३ × ९.८	८	७	१६	अपूर्ण सुदर्शन संस्कृत से	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.१ × १२	१०	११	१४	पूर्ण	उत्तम	
१७.६ × १५.२	४	१४	१०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६ × ८.३	२	६	१६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.८ × १५.३	२	१०	७	पूर्ण	उत्तम	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६५	मन्त्र ७८	हनुमानमंत्र, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२६६	७९	रामसहस्त्रनाम, संस्कृत			,,	,,
२६७	८०	रामस्तोत्रम्, संस्कृत	महेश्वर भट्ट		,,	,,
२६८	८१	रामचन्द्रस्य त्रैलोक्य मोहनकवच सहित कृष्णरामस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
२६९	८२	द्वादशाक्षमंत्र ग्रहण-विधि, संस्कृत			,,	,,
२७०	८३	विष्णुसहस्त्रनाम संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४.२×१०.५	२	१४	१५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६×१२.२	५८	१८	१४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। पृ० सं० ३० तक है। पृ० सं० १ नहीं है।
१३.७×११.८	४८	५	१४	पूर्ण ब्रह्माण्डपु०	प्राचीन १९११	लेख सामान्य है।
१९.६×१३	३८	८	१४	,,	प्राचीन	पृ० सं० १ से १२ तक वरण रामस्तोत्र, १३ से १९ तक त्रलोक्य मोहन कवच।
१५×१७.८	४	६	२५	पूर्ण	प्राचीन १९७३ वि०	लेख सामान्य है।
१६.७×१०.५	६२	६	१८	पूर्ण म०भा० से	उत्तम	लेख उत्तम है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७१	मन्त्र ८४	विष्णु सहस्त्रनाम संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२७२	८५	रामस्यत्रैलोक्य मोहनवचनम् संस्कृत			"	"
२७३	८६	"			"	"
२७४	८७	रामरक्षास्तोत्रम् संस्कृत	स्व० बुधकौशिक ऋषि		"	"
२७५	८८	हनुमदष्टकम्, संस्कृत	कृष्णदत्त भारद्वाज		"	"
२७६	८९	शंकराचार्यविरंचित कपीन्द्राष्टकं, संस्कृत			"	"
२७७	९०	रामरक्षाकवचम् संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.२ × ७.६	३६	७	३१	पूर्ण म०भा० से	प्राचीन	किनारे टूट गए हैं, किन्तु विषय वस्तु ठीक। लेख सामान्य है।
१५.६ × ९ ४	१४	७	१७	पूर्ण ब्रह्ममा०.	प्राचीन १८८९ वि०	किनारे टूट गए हैं किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
१५.७ × १०.१	१२	९	२०	अपूर्ण ब्रह्ममा०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६ × ११	३२	७	१४	पूर्ण	उत्तम	
१५.२ × १२	२	२०	१९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.२ × १३.१	२	१५	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८ × ८.८	१२	६	१९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम है, किनारे दीमक द्वारा नष्ट हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७८	मन्त्र ९१	हनुमदष्टकम् संस्कृत	अनन्तराम		पेपर	देवनागरी
२७९	९२	रामगीता, संस्कृत			"	"
२८०	९३	विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्रम्, संस्कृत			"	"
२८१	९४	हनुमत्कवचम्, संस्कृत			"	"
२८२	९५	विष्णोर्दिव्य सहस्त्रनाम संस्कृत	पं० विकटराम ब्राह्मण		"	"
२८३	९६	रामनामप्रयोग विधि, संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१३.६×६.२	४	९	११	पूर्ण ब्र०पु०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५×६.६	४०	६	१४	पूर्ण बा०रा० उ० का०	उत्तम	लेख उत्तम है।
१७ ७×६	५६	६	२०	पूर्ण म०भा०शा०प०	प्राचीन	लेख उत्तम है।
१३×१२.५	२	११	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.५×१०.२	१३०	४	१३	पूर्ण म०भा० से	उत्तम १८९८ वि०	लेख उत्तम है।
१७ २×११	८	६	२०	पूर्ण गौतमतंत्रात	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८४	मन्त्र ९७	रामनामविधानम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२८५	९८	रामनामलेखनविधि परलय संस्कृत			"	"
२८६	९९	राममन्त्र विधि	राम दास		"	"
२८७	१००	रामस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
२८८	१०१	रामपटल संस्कृत			"	"
२८९	१०२	रामसत्पद्धति संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.८×१६.५	८	८	१८	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
३०.५×१३.८	२	३५	२१	पूर्ण रुद्रयामले	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.७×१०.८	३४	६	२१	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१९.५×१०.३	४	८	२४	पूर्ण आध्यात्म रा० ल० का०	प्राचीन	लेख उत्तम है। परन्तु पुस्तक जीर्ण हो गयी
२०.९×१०.४	३२	८	२२	पूर्ण	उत्तम	लेख सामान्य है।
२१.२×१०.५	७	६	२३	अपूर्ण	प्राचीन	पृ०सं० ४२ तक उल्लेख है। किन्तु पृ० ३९ से ४१ तक नहीं है। लिख अच्छा है। किनारे से फटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६०	मन्त्र १०३	रामनामपटलपद्धति संस्कृत	वेंकटराम		पेपर	देवनागरी
२६१	१०४	श्रीरघुनाथोत्सव संकल्प, संस्कृत			,,	,,
२६२	१०५	वैष्णब महिमा संस्कृत			,,	,,
२६३	१०६	हनुमतस्त्वरात्रम् संस्कृत			,,	,,
२६४	१०७	विष्णुसहस्त्रनाम संस्कृत			,,	,,
२६५	१०८	रामनामलेखन			,,	,,
२६६	१०९	त्रिमुखीहनुमत्कवचम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.३ × १२.५	१०	१०	२०	पूर्ण रुद्रयामले	प्राचीन १९११ वि०	लेख सामान्य है।
३०.७ × १८.६	२	२८	२९	पूर्ण	उत्तम	
१६ ४ × १०.२	२०	९	२७	पूर्ण विष्णु पु०	उत्तम	लेख अच्छा है।
२१.२ × ११	४	९	२३	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० २ से आगे का विषय नहीं हैं। लेख तथा दशा सामान्य है।
२०.५ × १३.३	४४	८	२०	पूर्ण म० भा०	उत्तम	
२३.८ × ११.४	६	१०	३३	पूर्ण रुद्रमा०	प्राचीन १९२० वि०	किनारे भाग में दीमक ने छेद कर दिये किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
५७.८ × २०.२	२	४५	१९	पूर्ण अथर्वणरहस्ये	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९६	मन्त्र १०९	त्रिमुखीहनुमत्कवचम्, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
२९७	११०	शत्रुंजयहनूमततोत्रम, संस्कृत			"	"
२९८	१११	समास्यवृद्धविष्णु-सहस्त्र नामस्तोत्रम् संस्कृत	शंकराचार्य		"	"
२९९	११२	रामचन्द्रस्तवः संस्कृत			"	"
३००	११३	विष्णुपूजा, संस्कृत			"	"
३०१	११४	श्रीरामचन्दस्तव-राजस्तोत्रम्, संस्कृत	धनमुख उपाध्याय, चित्रकूट		"	"
३०२	११५	रामोपनिषदसहित रामद्वादशनाम संस्कृत			"	"

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
५७.८×२०.२	२	४५	१९	पूर्ण अथर्वणरहस्ये	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.३×११.५	६	१०	२९	पूर्ण हरि०वृ०ध० उपासनास्तवले।	उत्तम	लेख उत्तम है।
२५×१०.५	४०	८	३८	पूर्ण पद्मपुराणात्	उत्तम १६०८ वि०	किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।
२१.५×१०	६	१०	३४	,,	उत्तम	,,
२३.८×११.८	४	९	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.७×११.३	१८	९	२७	पूर्ण श्रीसतत्कुमार संहितायाम्।	प्राचीन ११५६ वि०	लेख उत्तम है।
२२.२×९.३	२	९	३५	पूर्ण सामवेद, स्क०पु०	उत्तम १९३५ वि०	लेख उत्तम है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३०३	मन्त्र ११६	रकारादिरामसहस्त्र स्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३०४	११७	रामाष्टोश्तस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
३०५	११८	श्रीरामपूजा संस्कृत			"	"
३०६	११९	वैष्णवद्वादशकी मन्त्र विधानम् संस्कृत				"
३०७	१२०	त्रिमुखीहनुमत्कवचम् एवं संस्कृत			"	"
३०८	१२१	स्तुतिरामचन्द्रजी की 'हिन्दी संस्कृत			"	"
३०९	१२२	श्रीविष्णोदिव्यसहस्त्र नामरुद्रक्षाप विमोचनम्, संस्कृत			"	"

आकार से॰ मी॰	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.६×१०	२८	९	३१	पूर्ण	उत्तम १८०१ वि॰	लेख सामान्य है।
३३.६×२१.२	२	३८	३६	पूर्ण पद्मपुराण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.२×१७.५	८	३५	४६	पूर्ण	प्राचीन	पृ॰ सं॰ १ में पानी से कुछ विषय वस्तु नष्ट हो गयी है।
२६.७×१२.५	२	२६	२२	पूर्ण	प्राचीन	
२०.५×१६	४	१६	१७	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०.५×१५	२	३२	२७	,,	,,	लेख सामान्य हैं।
३६.८×१७.५	२	३०	१३	,,	,, १९३१ वि॰	

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३१०	मन्त्र १२३	विष्णुपंजरस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३११	१२४	विष्णुपत्रास्तोत्रम् संस्कृत	हरिजीजोशी गुजरात		,,	,,
३१२	१२५	शंख, चक्र, गदा-धारणविधानम्, संस्कृत			,,	,,
३१३	१२६	विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्रम्, संस्कृत	मथुरादास आत्रो		,,	,,
३१४	१२७	त्रिमुखी हनुमत्कवचम्, संस्कृत			,,	,,
३१५	१२८	विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्रम्, संस्कृत			,,	,,
३१६	१२९	श्रीरामकन्हनुमत्क-वचम्, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१×१०	८	७	२८	पूर्ण ब्र० पु०	उत्तम	लेख उत्तम है।
२१.८×११.८	६	१०	३५	पूर्ण	प्राचीन १८१४ वि०	लेख उत्तम है।
२४×२०.६	२	२०	४३	पूर्ण	प्राचीन	
१३×२२.५	३४	९	२३	अपूर्ण	प्राचीन १९३२ वि०	किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।
२५.७×१३.४	८	९	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२२×१३.५	२०	११	३३	पूर्ण म०भा०	उत्तम	लेख उत्तम है।
२२×१०.८	१२	९	३४	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३१७	मन्त्र १३०	हनुमत्कवचम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३१८	१३१	,,			,,	,,
३१९	१३२	पंचमुखी हनुमानाष्टकम्, संस्कृत			,,	,,
३२०	१३३	रामचन्द्रस्यषोडशी पंचोपचारपूजा, संस्कृत			,,	,,
३२१	१३४	श्रीरघुनाथपूजा संस्कृत			,,	,,
३२२	१३५	रामपूजा श्रीरघुनाथ पूजा, संस्कृत	श्रीनृसिंह भट्ट		,,	,,
३२३	१३६	हनुमतस्तवअष्टाक्षर शतनामावलि सहित, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.७ × १३.२	८	६	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४ × १३	१४	१०	३२	पूर्ण	प्राचीन	
२४.५ × १२.५	६	१०	३२	पूर्ण	प्राचीन	दोनों कोण टूट गए हैं, किन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।
२०.४ × १२.६	३२	१०	२४	पूर्ण बौद्धायनमत	प्राचीन	लेख उत्तम है।
२० × १२.७	१६	१८	१६	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक किनारे से फट गयी है, जिस कारण विषय वस्तु भी नष्ट हो गयी।
२६.१ × १३.५	१४	१३	४३	पूर्ण	प्राचीन	किनारे से टूट जाने पर भी विषय वस्तु ठीक है।
२३.७ × १२	१२	१२	३१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृष्ठ क्रम में नहीं हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३२४	मन्त्र १३७	हनुमद्स्तोत्रं शतनामावलि			पेपर	देवनागरी
३२५	१३८	हनुमताष्टकम् संस्कृत			,,	,,
३२६	१३९	हनुमत्साधनाविधि संस्कृत			,,	,,
३२७	१४०	शिवकामनामंत्र संस्कृत			,,	,,
३२८	१४१	रुद्रानुष्ठान संस्कृत			,,	,,
३२९	१४२	रुद्राध्यायः संस्कृत			,,	,,
३३०	१४३	हरहरमहादेव स्तोत्रम्, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२६ × १३.८	४	९	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, देशा सामान्य।
२५.७ × १४	४	६	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, दशा सामान्य।
२६.५ × २४	४०	१४	२३	अपूर्ण भृगुसंहितोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१९.८ × १२.२	२	१२	१३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे से नष्ट होने पर विषय वस्तु भी कुछ नष्ट हो गयी है।
२०.३ × १०.३	४८	६	२१	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	सस्वर, लेख सामान्य हैं।
२४.५ × ११.२	१६	९	२८	अपूर्ण वेदोक्त	उत्तम	लेख सामान्य है। पृष्ठ अक्रमिक है।
२०.३ × ७	४	५	२५	पूर्ण शिवपु०	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३३१	मन्त्र १४४	पंचांगरुद्राणा महान्यास, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३३२	१४५	जराधनपाठ संस्कृत			,,	,,
३३३	१४६	पार्थिवपूजा संस्कृत			,,	,,
३३४	१४७	,,			,,	,,
३३५	१४८	,,			,,	,,
३३६	१४९	,,			,,	,,
३३७	१५०	,,			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.३×१०.३	७६	७	२०	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३४.८×२०.३	८	२३	२६	अपूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
४६.६×१८.५	२	३५	२२	पूर्ण तांत्रिकपूजा	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.७×१२.७	८	९	१६	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४.७×१२.७	८	१२	२५	,,	,,	लेख सामान्य है।
२३.८×१४.६	४	१७	२४	,,	,,	लेख सामान्य हैं।
२०×९	४	१०	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३३८	मन्त्र १५१	पार्थिवपूजा, संस्कृत	भूदत्त मिस्र		पेपर	देवनागरी
३३९	१५२	पार्थिवपूजन विधि संस्कृत	श्रीनरसिंह दत्त महाराष्ट्र		,,	,,
३४०	१५३	पार्थिवपूजा पद्धति संस्कृत			,,	,,
३४१	१५४	,,			,,	,,
३४२	१५५	सांगोपांग पार्थिव पूजा संस्कृत			,,	,,
३४३	१५६	पार्थिवलिंग पूजा संस्कृत			,,	,,
३४४	१५७	शिवषडाक्षर स्तोत्रम्, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५ × ११.४	४६	६	२१	अपूर्ण	प्राचीन सं० १९१६ वि०	लेख उत्तम है।
१६.६ × ८.५	२६	९	३१	पूर्ण शैवागमसंहिता	प्राचीन १९५३ वि०	लेख सामान्य है।
१४.३ × ७.७	५०	७	१९	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० १ से ५ तक नहीं हैं। अन्त में भी पृष्ठ नहीं हैं।
२२.६ × ११.२	६	११	३१	पूर्ण, तंत्रोक्त	उत्तम	लेख उत्तम है।
३५.५ × २२.८	४	३८	३४	पूर्ण, तंत्रोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.७ × ९.२	४	३२	३२	पूर्ण, तंत्रोक्त (रुद्रयात्मक)	प्राचीन	जीर्णता के कारण पुस्तक के किनारे टूट गए हैं।
१६ × ८.८	४	८	३५	पूर्ण	प्राचीन १९१६ वि०	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३४५	मन्त्र १५८	शिवषडाक्षर स्तोत्रम्, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३४६	१५९	शिवअष्टोत्तरशत नामानिद्वादश-नामानिच, संस्कृत			"	"
३४७	१६०	शिवसहस्त्रनामावलि-मंगलहारी, द्विचत्वारिंशत, शिवनामावलिच, संस्कृत			"	"
३४८	१६१	शिवसहस्त्रनाम स्तोत्रम्, संस्कृत			"	"
३४९	१६२	शिवस्तोत्राणि इन्द्राक्षीस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
३५०	१६३	वेदस्तव जैमिनीये शिवस्तव, म०भा०	जैमिनि एवं व्यास		"	"
३५१	१६४	दक्षिणामूर्तिपजर स्तोत्रम्, संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.७ × ११.२	२	८	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७ × १०.७	४	१३	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
१५.२ × ६.३	११६	५	१०	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२३.२ × ११.५	५६	७	३४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५ × १२.४	३६	१०	१३	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२५.७ × १२	८	६	३८	पूर्ण जैमिनिसूत्रे म०भा०	,	किनारा चींटियों द्वारा नष्ट किया गया। वस्तु ठीक।
२१ × १०	८	८	२८	अपूर्ण ब्रह्मांड पु०	,,	पृ० १ नहीं है, २ से ५ तक हैं लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३५२	मन्त्र १६५	वीरेश्वर स्तोत्रम्, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३५३	१६६	योगानन्दकृतम्, केदारेश्वरस्तोत्रम्	योगानन्द		,,	,,
३५४	१६७	देवाधिदेव स्तोत्रम् शंकराचार्यकृतम्, संस्कृत	शंकराचार्य		,,	,,
३५५	१६८	मार्कण्डेयकृतं, चन्द्र-शेखर स्तोत्रम्, संस्कृत	मार्कण्डेय		,,	,,
३५६	१६९	शिवस्यअष्टादश स्तोत्राणि संस्कृत	व्यास		,,	,,
३५७	१७०	शिवस्तोत्राणि, संस्कृत	शंकराचार्य		,,	,,
३५८	१७१	सुद्युम्न शिव-स्तोत्रम्, संस्कृत	सुद्युम्न		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४.१ × ८.२	१०	७	१८	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख अच्छा है।
२४ × ९.५	६	६	३०	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम है।
११.७ × २५	४	१०	१९	पूर्ण	प्राचीन	अति जीर्ण कागज।
१९ × ९.२	२	१०	३४	अपूर्ण	प्राचीन १८८९ वि०	केवल पृ० सं० ६ है।
१८.६ × १०.६	६४	८	२२	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० १ नहीं है, अन्त में पृ० ३३ के बाद नहीं है।
११.२ × ७.४	६०	६	१६	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० १ से ७ तक नहीं हैं। ३७ के बाद भी नहीं हैं। लेख उत्तम है।
१८ × १०.५	४	११	३१	के० ख० पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३५९	मन्त्र १७२	शिवस्तोत्राणि रावणकृतानि, चन्द्रशेखरस्तो० मार्कं० क्र०सं०	रावण मार्कण्डेय		पेपर	देवनागरी
३६०	१७३	शिवरक्षास्तोत्रम्, संस्कृत	महर्षि याज्ञवल्क्य		,,	,,
३६१	१७४	शिवस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
३६२	१७५	शिमहिम्नस्तोत्रम्, संस्कृत	पुष्पदंताचार्य		,,	,,
३६३	१७६	,,	,,		,,	,,
३६४	१७७	,,	,,		,,	,,
३६५	१७८	,,	,,		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१०×१५	१२	६	२४	पूर्ण	उत्तम १६०३ वि०	लेख उत्तम है।
१५.५×८.२	४	८	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.२×६.६	२	१२	३१	पूर्ण	प्राचीन	जीर्णता के कारण बीच के भाग नष्ट हो गए हैं।
१८.२×८.१	२०	६	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२३.८×११.२	१०	६	३१	पूर्ण	प्राचीन १६२७ वि०	लेख सामान्य है।
१३१×.७	४०	५	११	पूर्ण	प्राचीन १६२८ वि०	लेख उत्तम है।
१८.५×१०	२४	६	२०	उत्तम	पूर्ण	लेख उत्तम है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३६६	मन्त्र १७६	शिवहिम्नस्तोत्रम्, संस्कृत सटीक	पुष्पदंताचार्य		पेपर	देवनागरी
३६७	१८०	शिवमहिम्नस्तो० सह-विष्णुसहस्त्रनाम-स्तोत्रम्, संस्कृत	,,		,,	,,
३६८	१८१	शिवापराधक्षापन-स्तो० संस्कृत	शंकराचार्य	टीकाराम शर्मा थापाग्राम	,,	,,
३,६	१८२	,,			,,	,,
३७०	१८३	शिवताण्डवस्तोत्रम् शि०ता० पदयोज-निका टीका, संस्कृत	गणेश भारती	वासुदेव सदैवाला	,,	,,
३७१	१८४	शिवकवचम्, संस्कृत			,,	,,
३७२	१८५	,,			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.५ × १५.१	२४	१३	३०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
११.५ × ७.२	१०२	५	१२	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२०.५ × १०.१३	८	७	३३	पूर्ण	प्राचीन १९८३ वि०	लेख सामान्य है।
१७ × ८.५	१०	५	२०	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० ७ से नहीं है, १ से ६ पृष्ठ हैं। लेख सामान्य है।
२८.८ × १५	१४	१२	४०	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२६.२ × १५.३	६	८	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७.५ × ९.१	८	११	२९	पूर्ण साम्ब. पु०	प्राचीन १९०३ वि०	किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३७३	मन्त्र १८६	गंगाष्टक संहिता शिवपूजनम्		नत्थूराम	पेपर	देवनागरी
३७४	१८७	शिवरात्रिव्रत कथा संस्कृत			,,	,,
३७५	१८८	शिवार्चनपद्धति संस्कृत			,,	,,
३७६	१८६	,,			,,	,,
३७७	१६०	,,			,,	,,
३७८	१६१	रुद्रपाठ, संस्कृत			,,	,,
३७९	१६२	रुद्राष्टाध्यायी, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५.६×६.१	२६	६	१७	पूर्ण	उत्तम १८९९ वि०	लेख उत्तम है।
२२.५×१२.५	२६	१०	३८	पूर्ण लिंग पु०	प्राचीन १९०२ वि०	लेख सामान्य है।
२६×११.६	४२	७	२०	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन १९२६ वि०	लेख सामान्य है।
१९.७×११.७	२८	१०	२२	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन १९०० वि०	लेख सामान्य है।
१८×६.५	२३०	९	२७	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है।
१८.५×१०.५	१६	१०	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।
२७.५×१२.७	३८	८	३३	पूर्ण यजुर्वेदोक्त	प्राचीन १९३८ वि०	लेख उत्तम है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३८०	मन्त्र १९३	कालाग्नि रुद्रोपनिषद. वि० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३८१	१९४	रुद्रविधानम्, संस्कृत			,,	,,
३८२	१९५	रुद्रविधान पद्धति संस्कृत			,,	,,
३८३	१९६	षडङ्ग रुद्री, संस्कृत	श्री भगवतकात्यायन		,,	,,
३८४	१९७	रुद्रीभाष्य, संस्कृत	सायणाचार्य		,,	,,
३८५	१९८	आदित्यहृदयम्, संस्कृत		हरीदीन	,,	,,
३८६	१९९	सूर्यार्घ्यविधि म० मृ० वि० सं०	हंसवती		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.२ × ६३	१६	८	२१	पूर्ण वेदोक्त	प्राचीन १६१५ वि०	किनारे के भाग नष्ट हैं। लेख सामान्य है।
२७.५ × ११.७	४	१०	४६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४ × १४.२	२०	१०	२५	अपूर्ण वेदोक्त	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३१.१ × १४	१७२	६	२७	पूर्ण यजुर्वेदरूपसंज्ञकात्	उत्तम	लेख उत्तम है।
२८.५ × १८	६४	२१	४३	पूर्ण	प्राचीन	बीच में कुछ पृष्ठ में स्याही गिरी है। लेख अच्छा है।
२०.५ × १०.६	५२	७	२०	अपूर्ण विष्ठोतर पु०	प्राचीन १६२१ वि०	पृ० १ नहीं है, पृ० २ से २७ हैं। लेख उत्तम है।
२०.५ × १०	१२	१०	२७	पूर्ण हंसवतिविधानात्	प्राचीन	पृ०सं० ८ से १२ तक हैं

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३८७	मन्त्र २००	त्रैलोक्यमंगलसूर्य कवच संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३८८	२०१	,,			,,	,,
३८९	२०२	सूर्य पद्धति संस्कृत			,,	,,
३९०	०३	सूर्यराधन, संस्कृत	भवानी प्रसाद तिवारी		,,	,,
३९१	२०४	सूर्यकथा भाषा पद			,,	,,
३९२	२०५	सूर्यस्तोत्रम् संस्कृत	देवानन्द शर्मा		,,	,,
३९३	२०६	सूर्यसहस्त्रनाम-स्तोत्रम्, संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.६ × १०.२	४	९	२५	पूर्ण ब्रह्मयामलात्	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२० × १२.२	४२	९	२४	पूर्ण श्रीपटलपद्धते:	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.२ × १२.५	४	९	२७	पूर्ण तांत्रिक	प्राचीन	लेखसामान्य है। मन्त्र सहित हैं।
१९.२ × १२.१	२६	५	१६	पूर्ण तांत्रिक	प्राचीन	तथैव
१६ × ९.८	५०	७	२०	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
१९.१ × १०.१	६	९	२८	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
१७.५ × १०.६	२८	१०	२७	उत्तम रुद्रयामलात्	"	लेख उत्तम है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३९४	मन्त्र २०७	स्तवनामसंग्रह संस्कृत			पेपर	देवनागरी
३९५	२०८	श्यामलादण्डक स्तोत्रम् संस्कृत	कालीदास	श्री गंगाधर शर्मा	,,	,,
३९६	२०९	गोरक्षशतकम् संस्कृत			,,	,,
३९७	२१०	त्रैलोक्यमंगल कवचम् संस्कृत			,,	,,
३९८	२११	शरणागत स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
३९९	२१२	कर्पूरस्तव राजटीका संस्कृत	श्रीकृष्ण भट्ट		,,	,,
४००	२१३	षट्पदी संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७ × १२.५	१०२	९	१६	पूर्ण	उत्तम १८६७ वि०	लेख उत्तम है।
१७.२ × ८.५	१६	६	१८	,,	प्राचीन १८९६ वि०	जीर्णता के कारण कागज टूट रहा है। लेख सामान्य।
२१.५ × १२.१	२८	७	१८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। कागज जीर्ण हो गया है।
१८.४ × ६.३	१०	८	२३	पूर्ण सनत्कुमार सं०	उत्तम	लेख अच्छा है।
२३.५ × १३.१	४	६	३३	पूर्ण	,,	लेख अच्छा है।
२४.५ × ११.५	२२	६	३६	पूर्ण	प्राचीन १८७७ वि०	पुस्तक का दाहिना कोण नष्ट हो गया। विषय-वस्तु भी नष्ट हो गई। लेख उत्तम है।
१६.५ × ६	२	१७	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०१	मन्त्र २१४	आर्यास्तोत्रम् संस्कृत	भूदेव		पेपर	देवनागरी
४०२	२१५	दशश्लोकी संस्कृत			"	"
४०३	२१६	पंचरत्नस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
४०४	२१७	वेदस्तुतिः सीतास्तोत्र षट्पदीसंहित	व्यासकृत हनुमत्कृत शंकराचार्यकृत		"	"
४०५	२१८	स्वर्णाकर्षण भैरवस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
४०६	२१९	स्तोत्राष्टकम् संस्कृत			"	"
४०७	२२०	कल्पवृष्टिस्तोत्रम् संस्कृत	नरोत्तम		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.२×१.६	४	७	२३	पूर्ण शाम्ब पु०	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे टूटने पर भी विषय-वस्तु ठीक है।
१७×१०	८	७	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१०.७×५.२	४	६	१७	अपूर्ण	प्राचीन	केवल २ पृष्ठ हैं। लेख अच्छा है।
१६.५×१३.३	८	१४	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७.६×८.६	१६	८	१९	" रुद्रयमिलात्	प्राचीन १८८९ वि०	लेख सामान्य है।
१७.६×१७.६	४	१६	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.४×१०	२	७	२७	अपूर्ण	प्राचीन १९४० वि०	लेख सामान्य है। केवल पृ० ४ हैं। पृ०सं० १, २, ३ नहीं हैं।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०८	मन्त्र २२१	कल्याणवृष्टिस्तोत्रम् संस्कृत	ब्रह्मविचित्र		पेपर	देवनागरी
४०९	२२२	अभीतिस्तवम् संस्कृत			"	"
४१०	२२३	"			"	"
४११	२२४	आदित्यहृदयस्तोत्रम् संस्कृत	बैजराम		"	"
४१२	२२५	"			"	"
४१३	२२६	"			"	"
४१४	२२७	द्वादशादित्यार्घ्य संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.८×१०.१	२	१०	३६	अपूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ १ नहीं है। लेख उत्तम हैं।
३४.३×२१.८	२	२९	३०	पूर्ण हरिवंश पु०	,,	लेख सामान्य है।
२५.२×११.६	८	८	३८	पूण श्रीमदवेदांताचार्य	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.५×११	२२	१०	३७	पूर्ण भविष्योत पु०	प्राचीन वि० १८८८	लेख अच्छा है।
२५.१×११.४	२६	९	२७	,	प्राचीन १९२६ वि०	लेख सामान्य है।
१४.३×९.५	४६	७	१४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४×१३.५	४	१०	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४१५	मन्त्र २२८	गंगासूत्रम् संस्कृत	महर्षि बाल्मीकि		पेपर	देवनागरी
४१६	२२६	गंगास्तोत्रम् संस्कृत	शंकराचार्य		,,	,,
४१७	२३०	गंगासहस्त्रनाम स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४१८	२३१	गंगामहात्म्य संस्कृत	यदुमतिमिश्र इन्द्रप्रस्थ		,,	,,
४१९	२३२	गंगागणेश स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४२०	२३३	गंगासूक्तम्	महर्षि बाल्मीकि		,,	,,
४२१	२३४	,,			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.५ × १२	४	१०	२३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६ × ७.३	६	६	२३	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२०.२ × १०.१	६	६	२९	अपूर्ण स्क०पु०का०खं०	प्राचीन १९८२ वि०	केवल पृ० सं० २०, २३ २८ हैं। लेख उत्तम है।
२०.५ × १०.८	४२	९	३३	पूर्ण व्रह्मांड पु०	प्राचीन वि० १७९४	लेख सामान्य है।
२२.३ × ८.५	४	७	४६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१९.५ × ११	२	१४	४०	अपूर्ण	प्राचीन	अति जीर्णता से किनारे टूट गए हैं जिससे विषय वस्तु भी नष्ट हो गई है।
१० × १३.५	१२	७	९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४२२	मन्त्र २३५	गंगासूक्तम्			पेपर	देवनागरी
४२३	२३६	मणिकर्णिकास्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४२४	२३७	बटुकभैरवप्ररश्चरण पं० संस्कृत	बैजनाथ भट्ट देवप्रयाग		,,	,,
४२५	२३८	तांत्रिकप्रयोग— आयुर्वेदस्तो० ज्योतिषस्फुट श्लोका: संस्कृत			,,	,,
४२६	२३९	वटुकभैरवस्तोत्रम्			,,	,,
४२७	२४०	स्वर्णाकर्षण भैरवकल्पम् संस्कृत			,,	,,
४२८	२४१	कालभैरवाष्टकम् संस्कृत	शंकराचार्य		,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१२ × ९	१४	६	१३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४.५ × १३	४	९	३५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२५.२ × १२	२८	१०	२२	पूर्ण तांत्रिक	प्राचीन १९०० वि०	लेख सामान्य है।
१७ × १२ ६	९०	१०	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ०सं० १ से ५ तक नहीं है। ६ से ५० तक।
१७.५ × १०	२२	७	२५	पूर्ण	,,	लेख अच्छा है।
१९ × १०.४	४	१३	३४	पूर्ण रुद्रयामलात्	,,	पानी लगने से कुछ विषय-वस्तु नष्ट हो गई है। लेख सामान्य है।
१३.९ × ८.६	६	६	१५	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४२६	मन्त्र २४२	कालभैरवाष्टकम् संस्कृत	शंकराचार्य		पेपर	देवनागरी
४३०	२४३	आदित्यहृदयस्तोत्रम् संस्कृत			"	"
४३१	२४४	नवग्रहन्यास संस्कृत			"	"
४३२	२४५	नवग्रहमख० संस्कृत			"	"
४३३	२४६	चक्रज्योतिष			"	"
४३४	२४७	शंभुस्तोत्रसंग्रह संस्कृत			"	"
४३५	२४८	कर्म्मामृतस्तोत्रम् संस्कृत	विल्व मंगलाचार्य		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.३ × ८	४	९	३५	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१८.२ × ९.७	३२	९	२७	पूर्ण भविष्योतर पु०	प्राचीन	लेख अच्छा है।
२१.३ × ११	५४	५	२२	पूर्ण	प्राचीन १९४२ वि०	लेख अच्छा है।
२२.५ × १०.१	२२	७	३२	अपूर्ण	प्राचीन	केवल पृ० ४२ से ५२ तक हैं। लेख सामान्य है।
२३.८ × १२	४	१४	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४.५ × १०.२	३२	१२	३५	पूर्ण	प्राचीन वि, १८३४	पुस्तक की दशा जीर्ण है। लेख सामान्य है।
२२ × १०.५	६४	६	२३	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० २१ से २३ तक नहीं है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४३६	मन्त्र २४६	नवग्रहपूजा संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४३७	२५०	नवग्रह संस्कृत			"	"
४३८	२५१	नवग्रहमख संस्कृत			"	"
४३६	२५२	आदित्यहृदयस्तोत्रम् संस्कृत	व्रजमोहन		"	"
४४०	२५३	महादित्यहृदयम् संस्कृत			"	"
४४१	२५४	मृत्युंजयजलविधानम् संस्कृत			"	"
४४२	२५५	आदित्यहृदयम् स्तो० दत्तत्रेय अष्टोतर-शतनामाबलिमाही-कवचधातूमस्त्र वि० संस्कृत	व्यास		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४×११४	२०	१०	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२५×१२.१	१८	६	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पुस्तक जीर्ण है।
२३.५×१२.१	४	९	३४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२२.५×१६.२	२२	८	३९	पूर्ण भविष्योतर पु०	प्राचीन १९०० वि०	लेख सामान्य है तथा दशा जीर्ण है।
२३.५×९.६	१६	१२	४५	पूर्ण	प्राचीन १८९३ वि०	लेख सामान्य है।
२२×१२	१०	७	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। दशा जीर्ण है।
२२.३×१०.७	३४	१०	२८	पूर्ण भविष्योतर पु०	उत्तम १८८७ वि०	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४४३	मन्त्र २५६	आदित्यहृदयमस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४४४	२५७	सूर्यसहस्त्रनामस्तोत्रम् संस्कृत	जयकृष्ण गौड़ गिरिजापुर		"	"
४४५	२५८	सूर्यमन्त्र संस्कृत			"	"
४४६	२५९	भौमपूजा संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		"	"
४४७	२६०	संयत्रसांगोपाँग भौमपूजा वि० संस्कृत			"	"
४४८	२६१	भौमपंचदशाक्षरमंत्र संस्कृत			"	"
४४९	२६२	मंगलव्रतोद्य.पन विधि संस्कृत	मायाराम		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.५ × १४	३२	११	२५	पूर्ण कालीकल्पम् भ०पु०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४.५ × ११.१	२०	८	३४	पूर्ण भ०पु०	प्राचीन १८८८ वि०	लेख सामान्य है।
११ × १७.५	२	८	२२	पूर्ण	प्राचीन	जीर्ण होने किनारे फट जाने से कुछ विषय-वस्तु भी नष्ट हो गई है। लेख सामान्य है।
१९.५ × ११.५	१२	१०	२०	पूर्ण रुद्रयामलात	प्राचीन १९३४ वि०	लेख सामान्य है।
६८ × २०.७	२	६५	३२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.७ × ११	२	११	१५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४ × ८	३४	६	३२	पूर्ण	प्राचीन १९१७ वि०	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४५०	मन्त्र २६३	मंगलस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४५१	२६४	शनिउत्पत्ति गढ़वाली			,,	,,
४५२	२६५	शनैश्चरस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४५३	२६६	शनिस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४५४	२६७	शनिनिमित गायादानम् संस्कृत			,,	,,
४५५	२६८	महाकालशनिमृत्युंजय स्तो० संस्कृत			,,	,,
४५६	२६९	,,			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७ × ९ २	२	८	२५	पूर्ण स्कंध पु०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.५ × १२.८	२	१२	३५	पूर्ण हरिवंशपु०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.६ × ८.२	४	६	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
५६ × १५.३	४	५७	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
३१.२ × १५.७	२	२४	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७.५ × १३.८	१२	१०	२१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.२ × १[illegible].५	१२	१०	२५	पूर्ण मार्तण्डभैरव तन्त्रांत	" १९४१ वि०	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४५७	मन्त्र २७०	मृत्युंजयसंकल्प संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४५८	२७१	महामृत्युंजयविधि संस्कृत			,,	,,
४५९	२७२	,,	आचार्य चक्रधर जोशी देवप्रयाग		,,	,,
४६०	२७३	मृत्युंजय संस्कृत			,,	,,
४६१	२७४	,,			,,	,,
४६२	२७५	,,	हनुमान भट्ट		,,	,,
४६३	२७६	मृत्युंजय कवचम् संस्कृत			,	,,

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४.२×१९.६	२	१६	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२३.२×११.८	४	१०	२२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.७×१४.१	२	२७	३१	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
११.८×७.३	६	६	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.५×१०.५	६	९	१९	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२०×११.२	२	१०	२८	पूर्ण	प्राचीन १७२१ वि०	दाहिना किनारा जीर्णता के कारण टूट गया है। लेख सामान्य है।
१८.७×१२	१६	५	१२	पूर्ण रुद्रयामलात्	प्राचीन	पहला तथा दूसरा पृष्ठ स्याही से लिप्त है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४६४	मन्त्र २७७	शिवोक्त मृ० स्तो० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४६५	२७८	मृत्युंजयसहस्त्र-नामस्तो० संस्कृत	कामेश्वर		"	"
४६६	२७९	महामृत्युंजय जलवि० संस्कृत			"	"
४६७	२८०	मृत्युंजय जल विधि, संस्कृत			"	"
४६८	२८१	मृत्युंजयजप वि० संस्कृत			"	"
४६९	२८२	मृत्युंजयमहामन्त्र, संस्कृत	आचार्य चक्रधर जोशी देवप्रयाग		"	"
४७०	२८३	अक्षरमहामृत्युंजय-जप मंत्र, संस्कृत	जयानन्द चूड़कग्राम		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१ × ८.३	६	९	३१	पूर्ण	प्राचीन १६०२वि०	लेख उत्तम है।
२२ × १०	२२	८	३१	पूर्ण रुद्रयामलात	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.५ × २०.१	२४	७	१७	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
२६ × १०.७	२	१४	४५	पूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ बायें किनारे से टूट गया है जिससे विषय-वस्तु भी नष्ट हो गई है। लेख सामान्य है।
२४.२ × ११.६	४	९	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.२ × १२.१	२	१६	२६	पूर्ण	उत्तम १९७६ वि०	लेख अच्छा है।
१६.७ × ११.४	४	१०	२९	पूर्ण	प्राचीन १९०६ वि०	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४७१	मन्त्र २८४	अर्घ्यदान एवं मृत-संजीवनी जप वि० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४७२	२८५	मृतसंजीवनी मं०वि० संस्कृत			,,	,,
४७३	२८६	मृतसंजीवनी महामंत्र संस्कृत			,,	,,
४७४	२८७	नवग्रहमंत्र वि० संस्कृत	जयकृष्ण भट्ट		,,	,,
४७५	२८८	नवग्रहपूजनम् संस्कृत	नारायण भट्ट		,,	,,
४७६	२८९	,,			,,	,,
४७७	२९०	राहुप्रीतयेसर्पदानम्			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७ × १०.५	३२	१५	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
५३.५ × १३.४	२	६१	१८	पूर्ण	प्राचीन	किनारे की २ लाइन लिखी गयी। लेख सामाम्य है।
१८.६ × ११.६	४	२	४	पूर्ण	प्राचीन	जीर्णता के कारण किनारे टूट गए हैं। विषय वस्तु ठीक है, लेख अच्छा है।
१७ × १०.५	२२	१४	१८	पूर्ण	प्राचीन	पुरतक पर पानी लगा हुआ है। और नीचे के भाग से पुस्तक जीर्ण हुयी है। लेख सामान्य है।
२१.२ × १२.२	१८	१०	२१	पूर्ण	प्राचीन	किनारे से चींटियों द्वारा काट कर नष्ट की गयी। लेख अच्छा है।
२३.५ × १०.८	६	६	३१	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१३.५ × १३.१	२	११	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४७८	मन्त्र- २९१	गृहअधिदेवता मंत्र, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४७९	२९२	नवग्रहाशीर्वाद संस्कृत			,,	,,
४८०	२९३	पौराणिक नवग्रहाभिषेक मंत्र: संस्कृत			,,	,,
४८१	२९४	सूर्यमंत्रजप संस्कृत			,,	,,
४८२	२९५	शनेश्चरदशाक्षरमंत्र, संस्कृत			,,	,,
४८३	२९६	सूर्यस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
४८४	२९७	गंगालहरी, संस्कृत	ईश्वरसहाय		,,	,,

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	६	१०	११	१२	१३	१४
२०.६ × १०.६	८	७	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
२०.३ × ८.३	१२	७	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.४ × १०.५	४	७	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७.३ × १३	२	११	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१२.५ × १०.५	२	६	१४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.२ × १०.८	४	६	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.६ × १०.३	४८	७	२२	पूर्ण	प्राचीन १६१० वि०	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४८५	मन्त्र २९८	पंचायतस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
४८६	२९९	वेंकटेशमंत्र संस्कृत			,,	,,
४८७	३००	त्रिशतिनामावलि, संस्कृत			,,	,,
४८८	३०१	कार्तिकेयस्तुति, संस्कृत			,,	,,
४८९	३०२	रामस्तवनम्. संस्कृत			,,	,,
४९०	३०३	महामृत्युंजय जपपंचागम्. संस्कृत	भवानीराम लठे काश्मीर		,,	,,
४९१	३०४	नवग्रहमं० से०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८ × ८.५	६	६	३६	पूर्ण	प्राचीन १८७४ वि०	लेख अच्छा है।
११.७ × ४.३	२	३	८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१४ × ७.२	२	७	२३	पूर्ण ब्रह्मांडपु०	प्राचीन	केवल अन्तिम पृष्ठ है। लेख सामान्य, दशा हीन है।
१७ × १५.२	२	१४	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२० × १४.४	४	१७	२३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२७.३ × १६.३	५४	११	३१	पूर्ण रुद्रयामलात	प्राचीन १८६३ वि०	किनारे फट गए हैं, परन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख उत्तम है।
२७.५ × १८.२	१०	१४	३४	पूर्ण वेदोक्त, तंत्रोक्त	उत्तम १९३७	लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४६२	मन्त्र ३०५	दशावतारस्तोत्रम् संस्कृत	स्व०जयदेव		पेपर	देवनागरी
४६३	३०६	स्तोत्रसंग्रह संस्कृत			"	"
४६४	३०७	आरतीबद्रीनाथजी, संस्कृत			"	"
४६५	३०८	भैरवाष्टकम्. संस्कृत	शंकराचार्य		"	"
४६६	३०९	श्रीजगन्नाथाष्टकम्, संस्कृत			"	"
४६७	३१०	गोविंदाष्टकम् संस्कृत	परिव्राजक	श्रीमहानंदज्ञान	"	"
४६८	३११	भैरवदीपदानम- ष्टोतरशतनाममंत्र. संस्कृत	खेतीराम कपूरथला		"	"

आकार से॰ मी॰	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३०.५ × १०.५	४	३२	३२	पूर्ण	प्राचीन	बीच-२ से चींटियों द्वारा नष्ट है। लेख सामान्य है।
१६ × १०	१०	६	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख प्रत्येक पृष्ठ पर, विषय अधूरा, लेख सामान्य
१७.८ × ११	२	६	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१४.५ × १०	२	१३	२	पूर्ण	प्राचीन १८६५ वि॰	लेख सामान्य है।
१७.८ × १०	४	११	३०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पुस्तक की दशा जीर्ण है।
३२.२ × १५	१४	१५	३७	पूर्ण	उत्तम १८६३ वि॰	लेख अच्छा है। कहीं-२ पर किनारे में भी लिखा गया है।
२५ × १७	४	१७	३६	पूर्ण	उत्तम १९२७ वि॰	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९९	मन्त्र ३१२	सूर्यमंत्र, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५००	३१३	गंगालहरी, संस्कृत	जगन्नाथ		,,	,,
५०१	३१४	गंगाष्टकम्, संस्कृत	बाल्मिकि		,,	,,
५०२	३१५	भजगोविंदस्तो० संस्कृत			,,	,,
५०३	३१६	गायत्रीसंपुटित म०मृ०मं० संस्कृत			,,	,,
५०४	३१७	अच्छिष्टकामिनिस्तो० संस्कृत			,,	,,
५०५	३१८	नवग्रहमं० सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
९२×१०.१	२	११	१०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७.७×१२	६	९	२६	अपूर्ण	प्राचीन	केवल पृ० १, ४, १० हैं। लेख अच्छा है।
१२×८.५	८	७	११	पूर्ण	प्राचीन १८६१ वि०	लेख सामान्य है।
१५.२×९.२	६	८	१३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१३×८.१	२	९	८	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
१८.५×१३	६	१५	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२७×८	२	२५	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५०६	मन्त्र ३१९	गुरोरष्टकम् संस्कृत	शंकराचार्य		पेपर	देवनागरी
५०७	३२०	राहुदानमंत्र संस्कृत			,,	,,
५०८	३२१	भौम मंत्र, संस्कृत			,,	,,
५०९	३२२	महामृत्युंजयजप संस्कृत			,,	,,
५१०	३२३	बद्रीनाथमहात्म्य तथायात्राविधि हिंदी एवं संस्कृत			,,	,,
५११	३२४	बद्रीनाथ स०भा०टी० संस्कृत			,,	,,
५१२	३२५	,,			,,	,,

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.४ × १२.२	२	१९	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे चींटियों द्वारा नष्ट किए गए।
१८.७ × ९.५	२	७	२०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.५ × १६.१	२	११	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.३ × ११.६	२	१४	३०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१ × ११.६	२३२	७	२४	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक के किनारे दीमक द्वारा नष्ट विषय वस्तु टीक लेख सामान्य है। पृ०सं० एक नहीं है।
२४.३ × १२.१	३८	८	३८	पूर्ण केदार खण्डात्	प्राचीन	पृ० १ १६,१, २०, २४, २५, २७, ३१ नहीं है। लेख सामान्य है। पृ० ३२ तक केवल १९ पृष्ठ हैं।
२१.८ × ११.६	३०	६	२७	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० १ नहीं है। किनारे फट गए हैं। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५१३	मन्त्र ३२६	केदारमहात्म्य, संस्कृत	जीवराम		पेपर	देवनागरी
५१४	३२७	,,			,,	,,
५१५	३२८	,			,,	,,
५१६	३२९	देवप्रयाग महात्म्य संस्कृत			,,	,,
५१७	३३०	,,			,	,,
५१८	३३१	,,			,,	,,
५१९	३३२	,,			,,	,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१ ८×११.८	६२	१०	२८	पूर्ण वायु०पु०	प्राचीन १८५२ वि०	जीर्णता के कारण किनारे फट गये हैं। लेख सामान्य है।
२१.५×१३.२	३०	१४	३०	अपूर्ण वायु०पु०	प्राचीन	पृष्ठ नहीं है। विषय अपूर्ण लेख सामान्य है।
२३.५×११.२	६०	८	३७	,,	प्राचीन	पृ० १, २६ नहीं है, विषय अपूर्ण है। लेख सामान्य है।
२२.२×१२	१४	८	२६	अपूर्ण	नवीन	पुस्तक दशा हीन है। नष्ट प्राय:। लेख अच्छा है।
२७.८×१३.३	२६	८	२५	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूर्ण। लेख सामान्य है।
२३×१४.२	२	१६	३१	अपूर्ण केदारखंडात	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२२ ५×१४	२	१२	२५	,,	प्राचीन	विषय अपूर्ण। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२०	मन्त्र ३३३	वाराहशिलामहात्म्य संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५२१	३३४	गयामहात्म्य संस्कृत			"	"
५२२	३३५	बद्रीनाथमहा० संस्कृत	लौतींराम वैरागडा गांव		"	"
५२३	३३६	बद्रीनाथमहा० संस्कृत			"	"
५२४	३३७	बद्रीनाथमहा० संस्कृत			"	"
५२५	३३८	सुदर्शनक्षेत्रदेवप्रयाग महा० संस्कृत			"	"
५२६	३३९	बद्रीमहा० संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८.	६	१०	११	१२	१३	१४
२५.६ × १३.३	१०	१०	२८	पूर्ण स्कंध पु०	प्राचीन	किनारे दीमक से नष्ट हैं। लेख सामान्य है।
२७.५ × ११.८	४४	११	३८	पूर्ण वाराह पु०	प्राचीन	किनारे दीमक से नष्ट हैं। लेख अच्छा है।
२५.५ × ११.१	३४	१०	६७	पूर्ण सनत्कुमारसं०	प्राचीन १६१२ वि०	लेख सामान्य है।
२१ × १२.५	१२	१३	२८	पूर्ण केदार खण्डात्	प्राचीन १६२० वि०	जीर्णता के कारण किनारे टूट गये हैं। लेख सामान्य है।
१८ × ६.५	३२	७	२०	पूर्ण केदार खण्डात्	प्राचीन	किनारे टूटकर नष्ट हो गये लेख सामान्य है।
२२.२ × १२.७	४०२	६	१८	पूर्ण केदार खण्डात्	प्राचीन १६३१ वि०	लेख सामान्य है।
२०.१ × १२.८	१८	११	२६	पूर्ण सनत्कुमारसं०	प्राचीन	पृ० १६ से २४ हैं। लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२७	मन्त्र ३४०	कार्तिक महा० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५२८	३४१	कार्तिक महा० संस्कृत	पं० रघुनंदकरा-डोतेराजी अणदोराग्राम		,,	,,
५२९	३४२	बद्रीमहा० संस्कृत	बुद्धिराम काण्डा-ग्राम पट्टीसलस्यू		,,	,,
५३०	३४३	बद्रीमहा० संस्कृत	पं० ज्वालादत्त बुधाणा		,,	,,
५३१	३४४	मार्गशीर्षमहा० संस्कृत	मनीराम वैष्णब		,,	,,
५३२	३४५	बद्रीनाथ महात्म्य संस्कृत			,,	,,
५३३	३४६	बद्रीनाथ महात्म्य संस्कृत	पं० आत्माराम कुकरेती बड़ाकठूड़ मल्लाठांगर		,,	,,

आकार से॰ मी॰	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.३ × १४.३	२२	१२	२६	अपूर्ण पदम पुरा॰	प्राचीन	पृ॰ सं॰ क्रम में नहीं है। अपूर्ण है। लेख अच्छा है
२४.५ × १४.८	७८	१६	३०	"	प्राचीन १८७४ वि॰	लेख सामान्य है। पुस्तक की दशा जीर्ण है।
१६ × १३.५	६०	१०	१६	अपूर्ण स्कंध पु॰	प्राचीन १६४४ वि॰	दशा जीर्ण है। लेख सामान्य है।
२१.३ × १२.५	६२	१०	३०	पूर्ण स्कंध पु॰	प्राचीन १६२८ वि॰	लेख सामान्य है।
२६.६ × १०.५	६४	९	४०	पूर्ण पदम पु॰	प्राचीन	किनारे दीमक से नष्ट हो गये हैं। लेख सामान्य है।
२७.५ × १२	४८	१०	३५	पूर्ण सनत्कुमार सं॰	प्राचीन १६४१ वि॰	पृ॰ १ किनारे फट गया है लेख सामान्य है।
२२.७ × १३.७	४२	१३	३३	अपूर्ण सनत्कुमार सं॰	प्राचीन १६३६ वि॰	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५३४	मन्त्र ३४७	बद्रीनाथमहा० संस्कृत	पं० नन्दराम बद्रीनाथ		पेपर	देवनागरी
५३५	३४८	बद्रीनाथमहा० संस्कृत	पं० रामकृष्ण		"	"
५३६	३४९	बद्रीनाथमहा० संस्कृत			"	"
५३७	३५०	वृन्दावन शतक संस्कृत	ध्रुवदास		"	"
५३८	३५१	इन्द्रः प्रयागः संस्कृत			"	"
५३९	३५२	एकादशी महात्म्य संस्कृत			"	"
५४०	३५३	एकादशी महात्म्य संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३ × १४	६	१२	३८	अपूर्ण स्कंध पु०	प्राचीन १९३४ वि०	पृ० १ नहीं है अति जीर्ण दशा, लेख सामान्य है।
१९.५ × १२.५	६०	१०	२७	पूर्ण सनत्कुमारसं०	प्राचीन १९२९ वि०	लेख सामान्य है। पृ० १ फटा हुआ है।
२१ × ११.२	२२	८	३१	पूर्ण अर्द्धभागात	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे फट गये हैं।
१७.२ × १३.३	२०	११	२१	पूर्ण	प्राचीन १९०८ वि०	लेख अच्छा है।
२५.४ × ११.१	२	११	४१	अपूर्ण केदार खण्डात्	प्राचीन	केवल पृ० ३१ है। लेख सामान्य है।
२३.७ × ११.२	१४	११	२८	अपूर्ण पद्मपुराणात्	प्राचीन	पृ० १, ३, २४, २५, २९, ३०, ३१ हैं। लेख सामान्य है।
३७ × १५	३८	११	३०	पूर्ण पद्मपुराणात्	प्राचीन	पृ० सं० क्रम में नहीं है। अपूर्ण विषय है। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५४१	मन्त्र ३५४	एकादशी महा० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५४२	३५५	वृन्दावनखंड महा० संस्कृत	पं० हरदेव खखर		"	"
५४३	३५६	गिरिराजखं०महा० संस्कृत	हरिदेव		"	"
५४४	३५७	श्रीलक्ष्मी नारायण हृदयम् संस्कृत	आचार्य चक्रधर जोशी		"	"
५४५	३५८	उपमन्युकृत शिवस्तोत्रम्	सुब्रह्मण्य ग्वालारक पत्तन		"	"
५४६	३५९	हनुमतादि महा० स्तो० च संस्कृत			"	"
५४७	३६०	बद्रीपंचसहस्त्र नामावलि बद्री महा० संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३०.१ × १३	६२	१३	४७	अपूर्ण पद्मपुराण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ०सं० क्रम में नहीं है।
३६ × १६.१	१२२	८	३२	अपूर्ण	प्राचीन १६२४ वि०	लेख सामान्य है।
३७.६ × १६·३	५०	७	३२	अपूर्ण श्रीमद्‌गंगाचार्य संहिता	प्राचीन १६२५ वि०	लेख सामान्य है।
११ ५ × ७·२	५०	६	१५	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है। आलमारी की पुस्तक है।
१०·५ × ७ २	५४	६	१२	पूर्ण पांतजलयोगसू०	प्राचीन १६३३ वि०	लेख सामान्य है। आलमारी की पुस्तक है।
१६.५ × ११	१३६	१०	१८	पूर्ण	प्राचीन १६२० वि०	लेख सामान्य है। आलमारी की पुस्तक है।
१४ × १०.७	२४८	१२	१४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५४८	मन्त्र ३६१	श्रीमद्भगवत गीता महा० संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५४९	३६२	श्रीमद्भगवत गीता महा० संस्कृत एवं हिन्दी			,,	,,
५५०	३६३	गुरुगीतामहा० संस्कृत	पं० चक्रधर पृथ्वीधर ज्योतिर्विद		,,	,,
५५१	३६४	पंचस्तोत्राणि संस्कृत	नाथू राम		,,	,,
५५२	३६५	विष्णुनामावलि संस्कृत			,,	,,
५५३	३६६	नित्यपाठस्तोत्राणि संस्कृत			,,	,,
५५४	३६७	—			,,	,,

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१०.८×८.३	८४	७	९	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है।
१६.६×११.२	२८४	९	१९	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१५ ३×१२.२	४०	११	९	पूर्ण	प्राचीन	लेख दो प्रकार का है।
१२×९	६२	७	२१	पूर्ण	प्राचीन १९४२ वि०	लेख सामान्य है।
१६ ५×९	६६	१६	६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७×९.७	७६	१०	२६	अपूर्ण	उत्तम	लेख सामान्य है।

क्र. सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	काव्य					
५५५	१	घट्टरवर्दरीकाव्यम् टीका संहितम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५५६	२	नलोदयकाव्यम्			,,	,,
५५७	३	नैषधकाव्यम् संस्कृत			,,	,,
५५८	४	किरातार्जुनीयकाव्यम् संस्कृत			,	,,
५५९	५	रघुवंश संस्कृत			,,	,,
५६०	६	रघुवंश संस्कृत			,,	,,
५६१	७	गंगालहरी सटीक पं० राज जगन्नाथ कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.२ × १२.२	१०	१०	३८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३० × ११	२२	६	४२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२६ × १०.५	१०	७	२५	अपूर्ण कल्पद्रुमान्यतुतावदमे	प्राचीन	केवल २५ श्लोक हैं। लेख सामान्य है।
२४.७ × ११.५	४०	५	२५	अपूर्ण	प्राचीन	२६वां श्लोक अर्द्ध। विभिन्न पृष्ठ हैं।
२७.७ × १२.२	२६	१४	५८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। प्रथम सर्ग के ६२ श्लोक। लेख सामान्य है।
३१ × ११.५	१३२	१२	५७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। दशा अति जीर्ण है। विषय वस्तु भी कुछ नष्ट हो गयी है
२८ × ११.५	५८	१०	५३	पूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० क्रम में नहीं है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५६२	काव्य ८	वैराग्य शतक संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५६३	९	वैराग्यशतकम् भतृहरिविरचित संस्कृत			"	"
५६४	१०	संस्कृत मंजरी संस्कृत	आनन्द भट्ट, आशाराम		"	"
५६५	११	कृष्णकुतूहल संस्कृत	श्री हरिहर भट्ट		"	"
५६६	१२	रामकृष्णाख्यकाव्यम् संस्कृत	भास्कराचार्य नंदराम		"	"
५६७	१३	श्लोकवनमालिनि संस्कृत	गणेशी लाल		"	"
५६८	१४	दुर्घटकाव्यम् संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६×९.८	८	९	३७	अपूर्ण	प्राचीन १९१८ वि०	लेख उत्तम है। केवल २८ श्लोक हैं।
२६.७×१२	३२	७	३३	पूर्ण	उत्तम १९०६ वि०	लेख उत्तम है।
२६ ६×११ ७	१२	८	२६	पूर्ण	प्राचीन १९३४ वि०	लेख सामान्य है।
२५.७×९.७	६८	१०	९५	पूर्ण	प्राचीन १९२० वि०	लेख सामान्य है। पुस्तक के अन्तिम पृ० किनारे से फट गए हैं। किन्तु विषय वस्तु ठीक है।
२४.१×१०.१	२८	१२	९१	अपूर्ण	प्राचीन १९३४ वि०	जीर्णता के कारण पुस्तक के दोनों भाग टूट गए हैं विषय वस्तु ठीक है।
२८×११.६	११४	६	६४	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३१×१५	२०	१२	३४	अपूर्ण प्रथमरसिक केवल	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५६९	मन्त्र १५	किरातर्जुनीयम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५७०	१६	कुमारसंभव संस्कृत			"	"
५७१	१७	गीतगोविंदकाव्यम् संस्कृत			"	"
५७२	१८	गीतगोविंद काव्यम् संस्कृत			"	"
५७३	१९	मेघदूतम् संस्कृत	रेवत राम		"	"
५७४	२०	रघुवंश संस्कृत			"	"
५७५	२१	रघुवंशकाव्यम् संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५×१२.१	१६	७	४८	अपूर्ण केवल १ ; २ सर्ग	प्राचीन	१, २, ३ पृष्ठ नहीं हैं। लेख दो प्रकार का है। लेख सामान्य है।
२४.३×११.२	७२	११	३०	अपूर्ण केवल १ – ७ सर्ग	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३२.२×१२.५	३४	१४	६२	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० क्रम में नहीं है। किनारे टूटने से कुछ विषय वस्तु भी नष्ट हो गयी है। लेख अच्छा है।
२३.८×१३.२	१८२	८	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। पृ० १ नहीं है।
२०.३×१०.५	१२	१५	६२	पूर्ण	उत्तम १९२७ वि०	ग्रन्थ अपूर्ण है। लेख अच्छा है।
२६.५×११.५	२८	५	३४	अपूर्ण	प्राचीन	प्रथम एवं द्वितीय सर्ग के १५ श्लोक हैं। लेख सामान्य है।
२५.२×१२.२	३०	४	२०	अपूर्ण	प्राचीन	प्रथम सर्ग के ६२ श्लोक हैं। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५७६	काव्य २२	शृंगारशतकम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५७७	२३	भर्तृहरिवैराग्य शतकम् संस्कृत			"	"
५७८	२४	सूर्यशतकम् मयूर कविविरचितम् संस्कृत			"	"
५७९	व्याकरण १	सारस्वत व्या० संस्कृत			"	"
५८०	२	सारस्वत कारणम् संस्कृत	नन्दराम		"	"
५८१	३	सारस्वत कारणम् संस्कृत			"	"
५८२	४	भृगु व्याकृति संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.२ × १०.८	४४	१०	४३	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम है ।
२२.७ × ९.५	२७०	६	२३	पूर्ण	प्राचीन १८३६ वि०	पृ०सं० १०९ से दीमक ने विषयवस्तु भी नष्ट कर दी हैं । लेख अच्छा है ।
२९.५ × १०.२	२२	८	४६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है ।
२३.७ × ११.२	६	८	२७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है । विषय अपूर्ण है ।
२४.३ × १०	८८	११	३५	पूर्ण	प्राचीन १८३४ वि०	लेख सामान्य है ।
२३ × १०.२	३२	१०	३२	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है ।
२३ × १७.१	१०	१७	३१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है ।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	व्याकरण					
५८३	५	शब्दरूपावलि संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५८४	६	स्वराणां भेदाः संस्कृत			"	"
५८५	७	भाषासार संग्रह संस्कृत	कर्णपूर		"	"
५८६	८	परिभाषा पाठ संस्कृत			"	"
५८७	९	परिभाषा पाठ संस्कृत			"	"
५८८	१०	सारस्वत व्या० संस्कृत			"	"
५८९	११	सारस्वतव्याकरणम् संस्कृत	अनुभूतिस्वरूपाचार्य		"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.९×११.२	८	९	९०	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० १ नहीं है। पृ० २ से ५ हैं। लेख सामान्य है।
२६.५×१६.९	८	१६	१५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२६.२×१०.५	३४	१२	५०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।
२६.७×१२.८	४	१२	४३	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा है।
२७.३×१६.१	२	४६	२७	पूर्ण	प्राचीन	केवल १२५ परिभाषायें हैं। लेख सामान्य है।
२६×१३.१	१३०	१०	३०	अपूर्ण सरस्वती प्र०	प्राचीन	पृ० सं० क्रम में नहीं है।
१७×१२	७६	९	४०	अपूर्ण	प्राचीन १९७९ वि०	पृ० १ व २ नहीं है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५६०	व्याकरण १२	सारस्वतव्याकरणम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
५६१	१३	सारस्वतव्याकरणम् संस्कृत			,,	,,
५६२	१४	मध्यकौमुदी संस्कृत			,,	,,
५६३	१५	मध्यकौमुदी संस्कृत			,,	,,
५६४	१६	अष्टाध्यायी संस्कृत			,,	,,
५६५	१७	सारस्वतव्याकरणम् संस्कृत			,,	,,
५६६	१८	सारस्वतव्याकरणम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति अक्षर	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४.५ × १०.५	१४६	७	२५	अपूर्ण	प्राचीन १९१९ वि०	पृ० १ में ३ तथा ९ नहीं हैं। लेख अच्छा है। पुस्तक के किनारे फट गए हैं।
२४.५ × १०	१२४	६	३२	अपूर्ण	प्राचीन १८३० वि०	अति जीर्णता के कारण अस्तव्यस्त है। पृ० १०७ से १८२ हैं। लेख अच्छा है।
२२ × १३	३६	१२	२६	अपूर्ण	प्राचीन १८३० वि०	पृ० १, २ नहीं हैं। पृ० ३ से २० तक हैं। लेख अच्छा है।
२१.२ × ११.३	१०	८	२३	अपूर्ण अनसन्धिअर्द्धमना	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२० × १५.५	२२	१५	१७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४.२ × १४.४	१६	१०	२१	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूण हैं। पृ० १, २ का बायां भाग टूट गया है।
२४.६ × १५.५	१६	६	२१	पूर्ण	प्राचीन १९११ वि०	लेख सामान्य है।

मानस